



Office of the Engineer

Phone & Fax:- 0135-2530467,253

कार्या
द

र

प्रभियन्ता एवं विभागाध्यक्ष
विभाग, देहरादून

PWD, Dehradun Uttarakhand
E-Mail-cepwdua@rediffmail.com
Web- <http://govt.ua.nic.in/pwd>

51-2

पत्रांक :- 1404 / 28व्यंग-सा0/14

दिनांक १५/०८/२०१४

सेवा में

प्रमुख सचिव,
लोक निर्माण विभाग
उत्तराखण्ड शासन
देहरादून।

विषय:- लोक निर्माण विभाग के अन्तर्गत कनिष्ठ अभियन्ता (सिविल/प्राविधिक/विद्युत/यॉक्ट्रिक) के सीधी भर्ती के रिक्त पदों के अधियाचन के प्रेषण के सम्बन्ध में।

महोदय,

कृपया उपरोक्त विषयक प्रकरण पर शासन द्वारा दिये गये निर्देशों के क्रम में कनिष्ठ अभियन्ता (सिविल/प्राविधिक/विद्युत/यॉक्ट्रिक) के सीधी भर्ती के रिक्त पदों का अधियाचन तैयार कर शासन को प्रेषित किया जा रहा है। प्रेषित अधियाचनों में सिविल/प्राविधिक के पदों में जून/2015 तक की सम्भावित रिक्तियों को सम्मिलित किया गया है, जिनमें कनिष्ठ अभियन्ता सिविल के 30 पद हैं, जो सामान्य श्रेणी के हैं, 05 पद सेवानिवृत्त एवं 25 पद पदोन्नति से हैं तथा कनिष्ठ अभियन्ता प्राविधिक के 06 पद हैं, जो सामान्य श्रेणी के हैं, जिसमें 01 पद सेवानिवृत्त एवं 05 पद पदोन्नति से हैं, सभी पदों की नगना रोस्टर के अनुसार कर दी गई है, प्रेषित अधियाचन का विवरण निम्नवत् है:-

1. कनिष्ठ अभियन्ता (सिविल) का विवरण

सीधी भर्ती के स्वीकृत पद	भरे पद	रिक्त पद	सम्भावित रिक्त पद	कुल रिक्त पद 3+4	टिप्पणी
1	2	3	4	5	6
894	675	219	30	246	शेष 219 पद तथा 30 सम्भावित रिक्त पद =249 पदों का अधियाचन प्रेषित किया जा रहा है। पूर्व में प्रेषित 130 पदों के अधियाचन को भी उपरोक्त अधियाचन में सम्मिलित किया गया है।

2. कनिष्ठ अभियन्ता (प्राविधिक) का विवरण

सीधी भर्ती के स्वीकृत पद	भरे पद	रिक्त पद	सम्भावित रिक्त पद	कॉलम 3 व 4 का योग	टिप्पणी
1	2	3	4	5	6
47	27	20	06	26	शेष 20 पद तथा 06 सम्भावित रिक्त पद =26 पदों का अधियाचन प्रेषित किया जा रहा है। पूर्व में प्रेषित 08 पदों के अधियाचन को भी उपरोक्त अधियाचन में सम्मिलित किया गया है।

3. कनिष्ठ अभियन्ता (यांत्रिक) का विवरण

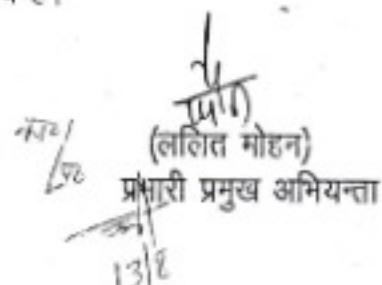
सीधी भर्ती के स्वीकृत पद	भरे पद	रिक्त पद	टिप्पणी
57	47	10	10 पदों का अधियाचन शासन को प्रेषित किया जा रहा है। पूर्व में प्रेषित 02 पदों के अधियाचन को भी उपरोक्त अधियाचन में समिलित किया गया है।

4. कनिष्ठ अभियन्ता (विद्युत) का विवरण

सीधी भर्ती के स्वीकृत पद	भरे पद	रिक्त पद	टिप्पणी
42	33	09	09 पदों का अधियाचन शासन को प्रेषित किया जा रहा है। पूर्व में प्रेषित 05 पदों के अधियाचन को भी उपरोक्त अधियाचन में समिलित किया गया है।

अवगत करना है कि पूर्व में प्रेषित इस कार्यालय के पत्र संख्या- 710/28व्यघ-सा०/13 दिनांक 29.7.2013 एवं पत्र संख्या- 718/25व्यघ-सा०/13 दिनांक 31.7.2013 किये गये सिविल/विद्युत/यांत्रिक/प्राविधिक के अधियाचन को भी उपरोक्त अधियाचन में समिलित किया गया है। राष्ट्रीय राजामार्ग खण्ड चम्बा/श्रीनगर खण्ड हेतु स्वीकृत 12 X 2=24 पदों को भी रिक्त मानते हुए अधियाचन में समिलित किया गया है। ऐसे कनिष्ठ अभियन्ता (सिविल) संविदा जिनकी 31.12.2013 को 05 वर्ष की सेवा पूर्ण हो गयी है का शासनादेश दिनांक 31.12.2013 की प्रख्यापित नियमावली के अनुसार विनियमितीकरण की कार्यवाही होनी है, जिनकी संख्या 38 है, जिस हेतु संलग्न अधियाचन में पद रिक्त नहीं छोड़े गये हैं।

संलग्न—कनिष्ठ अभियन्ता (सिविल/प्राविधिक/विद्युत/यांत्रिक)
का अधियाचन ।



ललित मोहन
प्राधारी प्रमुख अभियन्ता

अधियाचन प्रपत्र-1

1(क) पद का नाम	कनिष्ठ अभियन्ता (सिविल) कुल स्वीकृत पद - 941 सौंदी भर्ती के पद - 894 पदोन्नति के पद @ 5%-47
(ख) क्या यह पद नया सूजित किया गया है, यदि हो तो यह पद कब सूजित किया गया था— यदि यह पद नया नहीं है तो यह कब और कैसे रिक्त हुआ—	शासनादेश सं 1758/ 11()/ 11-190 (पीडब्लूडी) /2001 दिनांक 12.12.11, शासनादेश सं 2795/ 11()/ 13-190 (पीडब्लूडी) /2001 दिनांक 26.12.2013, शासनादेश सं 502/ 11()/ 14-190 (पीडब्लूडी) /2001 टी०सी० दिनांक 19.05.2014, शासनादेश सं 1285/ 11()/ 14-190 (पीडब्लूडी) /2001 दिनांक 30.06.2014,
(1) बया पद पर किसी की नियुक्ति कर दी गयी है—	जी है, वर्ष 2004, 2011 एवं 2013 में लोक सेवा आयोग उत्तराखण्ड के माध्यम से घायनित कनिष्ठ अभियन्ताओं की नियुक्ति कर दी गयी है।
(2) यदि हो, तो यह कब से इस पद पर कार्य कर रहा है—	वर्ष 2004, 2011 एवं 2013 से
(3) क्या उनको स्थानापन्न नियुक्ति के लिए आयोग का अनुमोदन प्राप्त कर लिया गया है, यदि हो तो आयोग का एत्र संख्या तथा दिनांक उद्धृत किया जाए—	उपरोक्तानुसार
(4) यदि अनुमोदन प्राप्त नहीं किया है, तो विविधताओं बतायी जाए जिसमें आयोग के पूर्व अनुमोदन से नियुक्ति नहीं की जा सकी—	—
(i) बया उक्त पद आयोग के विचार क्षेत्र में है—	जी है।
(ii) सेवा का नाम, यदि कोई हो, जिससे उक्त पद सम्बन्धित है—	अधीनस्थ अभियन्त्रण सेवा।
(iii) क्या उक्त पद संवर्ग की उस संख्या में सम्मिलित है, जो सम्बन्धित सेवा नियमावली में दिखाई गयी है—	जी है।
(ग) स्वीकृत पदों की संख्या—	941-47*=894 *5% प्रतिशत कोटे के अन्तर्गत पदोन्नति के पद
(घ) स्वीकृत पदों के सापेक्ष भरे नये पदों की कुल सं—	675-30**=645 (30**जून 2015 तक सम्भावित रिक्त)
(ङ) स्वीकृत पदों के सापेक्ष रिक्त पदों की कुल सं—	215+30** 249(30**जून 2015 तक सम्भावित रिक्त)
(च) भरे जाने वाले पदों की सं—	249
(1) उत्तराखण्ड के अधिवासी अनुजाति के अन्यर्थियों के लिये—	38
(2) उत्तराखण्ड के अधिवासी अन्य पिछड़े वर्गों के अन्यर्थियों के लिये—	10
(3) उत्तराखण्ड के अधिवासी अन्य पिछड़े वर्गों के अन्यर्थियों के लिये—	25
(4) अनारक्षित अन्यर्थियों के लिये—	176

(छ) कपा विभाग द्वारा रोस्टर रखा जा रहा है और उपर्युक्त रिकितया प्रत्येक श्रेणी के लिये नियत प्रतिशत व आरक्षण रोस्टर के अनुसार गणना में भिन्नता होने पर नियत प्रतिशत के अनुसार ही रिकितयों का विवरण दिया गया है?

उक्त के अतिरिक्त रोस्टर कमांक का स्पष्ट उल्लेख भी किया जाय।

हों, कार्मिक विभाग, उत्तराखण्ड शासन के शारीर-1454 / कार्मिक-2-2001 दिनांक 31.06.01
ए अनुसार रोस्टर कमांक :-
 1. छनुजाति वा रोस्टर कमांक :-
 41,51,56,61,26,71,76,81,86,93,1,6,11,18,21,26,31,
 36,41,46,51,56,81,66,71,76,81,86,93,1,6,11,16,21,
 26,31,36,41,46
 2. अनुसूचित जन जाति का रोस्टर-
 72,26,24,48,72,26,24,48,72,26
 3. अन्य रिक्षड़ा दर्द का रोस्टर कमांक-
 19,28,35,42,49,54,63,70,77,84,91,98,7,14,19,28,35,42,48,54,63,70,77,84,91
 35

(ज) क्षेत्रिज आरक्षण के सम्बन्ध में अनारक्षित, अनुसूचित जाति, छनुजन जाति व अन्य पिछड़े वर्गों के लिये शारीरिक रिकितयों का विवरण नियत प्रतिशत का उल्लेख करते हुये निन प्रकार से दिया जाये-

(1) उत्तराखण्ड की अधिवासी महिला अभ्यर्थियों के लिये-

74

(2) उत्तराखण्ड की अधिवासी स्वतंत्रता संघाम सेनानी के आश्रित अभ्यर्थी के लिये-

05

(3) उत्तराखण्ड की अधिवासी शारीरिक रूप से विकलाग अभ्यर्थी के लिये-

07

(क) दृष्टिहीनता वा कम दृष्टि से सम्बन्धित अभ्यर्थी के लिये-

-

(छ) श्रवण हात से सम्बन्धित अभ्यर्थी के लिये-

हों

(ग) चलनकिया सम्बन्धी निश्चाला वा प्रमाणितकीय अपेक्षा के लिये-

हों

टिप्पणी:- शारीरिक रूप से विकलाग व्यक्तियों के लिये उक्त श्रेणी से सम्बन्धित चिनित पद के सम्बन्ध में कार्मिक विभाग द्वारा जारी अधिसूचनाओं को लालगान में किया जाए।

(4) उत्तराखण्ड के अधिवासी पूर्व सैनिक अभ्यर्थियों के लिये-

12

(5) उत्तराखण्ड के अधिवासी विशेष खिलाड़ियों के लिये-

-

(6) उत्तराखण्ड राज्य आन्दोलकारी उठवा उनके आश्रित अभ्यर्थी के लिये-

-

2- व्या उत्तराखण्ड के अधिवासी अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, महिला व शारीरिक रूप से विकलाग अभ्यर्थियों की रिकितयों में अत्रेनीत सिक्षितयों लो भी शामिल कर दिया गया है ?

हों।

3- क्या पद राजपत्रित है वा अराजपत्रित

अराजपत्रित।

4- क्या पद स्थायी अथवा अस्थायी है ?

स्थायी।

यदि अस्थायी है, तो वह अवधि जब तक

या सरकार उपेता

5— पद का वेतनमान — हिण्ड वेतनमान ये ग्रेड वेतन सहित।	वेतन वैष्ण-3 रु0 3300-34800+ ग्रेड पे रु0 4600 एवं अनुमन्य भत्ते।
6— वहा अनुमन्य वेतनमान में बढ़ाया गया प्रारम्भिक वेतनमान दिया जा सकता है? यदि हों, तो किस हद तक—	वेतन वैष्ण-3 रु0 3300-34800+ ग्रेड पे रु0 4600 एवं अनुमन्य भत्ते।
7— वहा पद पैशनयुक्त है अथवा उंशदारी पैशनयुक्त अवधा बिना पैशन का—	शासनादेश रुख्या 21/XXVII (7)उप०यो०/2005 दिनांक 25.10.05 के अनुसार।
8— परिवीक्षा अवधि, यदि कोई हो—	02 वर्ष
9— पद के कर्तव्य—	मार्ग/सेतु/भवन जारी का निर्माण / रखरखाव एवं टैक्सीकल कार्य। नियुक्ति के एक नाह के अन्दर।
10— चुने गये अभ्यर्थियों को कह तक कार्यमार ग्राहण करना होगा—	शासनादेश रुख्या 21/XXVII (7)उप०यो०/2005 दिनांक 25.10.05 के अनुसार।
11— क्या निर्वाह निधि/भाविष्य निवाह निधि का प्रविधान लागू है?	जी नहीं।
12— कोई विशेष रियायत अनुमन्य है? जैसे निःशुल्क आवास, रोशनी, पानी आदि।	शासनादेश रुख्या 21/XXVII (7)उप०यो०/2005 दिनांक 25.10.05 के अनुसार।
13— अपेक्षित अर्हताये—	डिप्लोमा इन सिविल इंजीनियरिंग।
(क) अनिवार्य जिसमें शिला दम्पन्थी अर्हताये, प्रशिक्षण, अनुमन्य आदि जैसे घाते समिलित हैं—	अन्य घातों के समान होने पर सीधी भर्ती के नामले में ऐसे अन्यर्थी को अधिनान दिया जायेगा जिसने—
(ख) अधिमान्य अर्हताये यदि कोई हो—	(क) प्रावेशिक सेवा में न्यूनतम 02 वर्ष की अवधि तक सेवा की हो, या (ख) ताष्ट्रीय कैडिट कोर का 'बी' प्रमाण—पत्र प्राप्त कर लिया हो, और (ग) प्रशिक्षणर्थी के रूप में सफलतापूर्वक एक वर्ष का प्रशिक्षण पूर्ण कर लिया हो।
(ग) कोई अन्य अर्हताए—	कोई नहीं।
(घ) यदि उपर्युक्त किसी हद तक विभिन्न ली जा सकती है, तो वह किस हद तक ऐसा किया जा सकता है—	जी नहीं।
(ङ) क्या समकक्ष अर्हताए भी स्थीकार ली जायेगी, यदि हों, तो समकक्ष अर्हताए बताइए—	जी नहीं।
14— पद किस सेवा नियनावली से आचारित है—	शासनादेश रुख्या- 3295/ 11(1)/07-39 (अधिक) / 06 दिनांक 22.11.2007
टिप्पणी— सम्बन्धित सेवा नियनावली की हिन्दी व अंग्रेजी भाषा की पूर्ण प्रतियों संलग्न की जाय।	उत्तराखण्ड शासन कार्यक्रम अनुभाग-2
15— आयु सीमाए—	21 वर्ष। रुख्या 107/ XXX(2)/2014 55(41)2004
(क) निम्न आयु सीमा—	42 वर्ष। दिनांक 25.02.2014 के अनुसार-
(ख) अधिकतम आयु सीमा—	शासनादेश रुख्या 1392/XXX (2)/05 दिनांक 21.05.2005 द्वारा अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के अभ्यर्थियों हेतु 05 वर्ष तक शिष्टिलीकरण।
(ग) क्या अधिकतम आयु सीमा को शिष्टिलीकरण किया जा सकता है? यदि हों, तो दियानान शासनादेशों/सेवा नियनावलियों का उल्लेख करते हुए किस-किस श्रेणी/दर्जे के अभ्यर्थियों को कितनी आयु की शिष्टिलीकरण प्रदान की जा सकती है—	शासनादेश रुख्या 244/XXX (2)/05 दिनांक 21.05.2005 द्वारा विकलांग अभ्यर्थियों हेतु 10 वर्ष का शिष्टिलीकरण।
(घ) आयु सीमा की गणना के लिए नियत तिथि का उल्लेख किया जाय—	भर्ती वर्ष के प्रथम जुलाई को आयु न्यूनतम 21 वर्ष य अधिकतम 42 वर्ष।
16— अन्यर्थी की राष्ट्रीयता क्या अपेक्षित है।	भारतीय।

17— अभ्यर्थी की दिवाहिक रिपोर्ट वहा अपेक्षित है—	<p>सेवा में किसी पद पर नियुक्ति के लिए ऐसा पुरुष अन्यथी पात्र न होगा, जिसकी एक से अधिक चलियों जीवित हो या ऐसी महिला अन्यथा पात्र न होगी, जिसने ऐसे पुरुष से दिवाह किया हो जिसकी पहले से एक पत्नी जीवित हो। परन्तु रज्यपाल लिसी व्यक्ति को इस नियम के प्रबंधन से छुट दे सकते हैं, यदि उनका यह समाधान हो जाये कि ऐसा करने के लिए विशेष कारण विद्युतान है।</p>
18— अभ्यर्थी के घरित्र के सम्बन्ध में यहा अपेक्षित है—	<p>लीबी भर्ती को लिए अभ्यर्थी का घरित्र रेल होना चाहिए कि वह सरकारी सेवा में सेवायोजन के लिए सभी प्रकार से उपयुक्त हो। नियुक्ति प्रधिकरी इस सम्बन्ध में अपना समावान कर लेगा। टिप्पणी— सच सरकार या किसी रज्य सरकार के स्थानिकाधीन या नियंत्रणाधीन किसी स्थानीय व्याधिकारी या किसी निगम या निकाय द्वारा नद्युत व्यक्ति सेवा में किसी पद पर नियुक्ति के लिए यत्र नहीं होगे। नेतृत्व अद्वान्ता के किसी अपराध के लिए दोष सिद्ध व्यक्ति भी पात्र नहीं होगे।</p>
19— अभ्यर्थी की शारीरिक स्वस्थता के सम्बन्ध में यहा अपेक्षित है—	<p>मुख्य विकित्सणिकरी द्वारा प्रदत्त स्वस्थता प्रमाण पत्र जो नहीं।</p>
20— यहा पद हेतु कोई शारीरिक मापदण्ड भी लागू है? यदि हैं तो पुरुष व महिला दोनों को लिए नियत शारीरिक मापदण्डों का उत्तरेख किया जाय	<p>अमु सीमा के अन्तर्गत योन्याधात्र यात्र है।</p>
21— क्या सरकारी कर्मचारी पात्र है, यदि हैं, तो क्या उनके पास में किसी शर्त को शिथिल किया जाएगा। उन शर्तों को बताइये, जो उनके पास में शिथिल की जायेगी।	
22— क्या अधियाचन में दिए गए विवरण पद से सम्बन्धित सेवा नियमावली व कार्मिक विभाग द्वारा जारी नियमावली के अनुलम हैं? यदि नहीं, तो सम्बन्धित सद/प्रश्न के सम्बन्ध में स्थिति स्पष्ट की जाय—	<p>हाँ, शासनदेश संख्या— 3296 / 11(1) / 07-39 (अधिक) / 06 दिनांक 22.11.2007 पूरा नाम (प्रलॉक और बद्दा ए) विजयलक्ष्मि पद नाम नौकरी विजयलक्ष्मि विभाग, उत्तराखण्ड</p>

दिनांक

अधियाचन प्राधिकारी को हस्ताक्षर

पूरा नाम (प्रलॉक और बद्दा ए) विजयलक्ष्मि
पद नाम नौकरी विजयलक्ष्मि विभाग, उत्तराखण्ड

पिंगांग हारा रिक्ता पदों की गणना
सीधी भर्ती के करिए अभियन्ता (सिविल) के विभिन्न श्रेणीयों के रिक्ता पदों में हीरोज आखण के पदों की राख्या

कुल स्थीकृत पदों की संख्या - 941

सीधी भर्ती के पद - 894

पदोन्नति के पद @ 05% - 47

फॉर्मो	श्रेणी	स्थीकृत पद	भरे पद	अवशेष रिक्ता पद	महिला 30%	विकलांग 3%	भूज्यो सैनिक 5%	स्वरांजनी 10%	आक्रित 2%	योग
1	2	3	4	7	8	9	10	11	12	
1	अनारिक्षा 63 %	563	417-30**=387	146+30**=176	53	5	9	4	71	
2	अनुसृचित जाति 19%	170	132	38	11	1	2	1	15	
3	अनुसृप्रेत जातियाँ 04%	36	26	10	3	-	-	-	3	
4	अन्य पिछड़ा जाति 14 %	125	100	25	7	1	1	-	9	
	योग	894	645	249	74	7	12	5	98	

नोट - ** तक 2015 तक की 30 समाप्ति रिक्तियों को अधियाचन में राखिलिए दिया गया है ।

प्रबुल अधिकारी द्वारा दिया गया

सीधी भर्ती विभाग, उत्तराखण्ड

१३१२

अधियाचन प्रपत्र-1

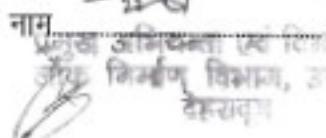
1(क) पद का नाम	कनिष्ठ अभियन्ता (ग्राहिक)
(ख) क्या यह पद नया सृजित किया गया है, यदि हो तो वह पद कहे दरिए किया गया था— यदि यह पद नया नहीं है तो वह कब और कैसे रिक्त हुआ—	कुल स्वीकृत पद— 94 सीधी मर्ती के पद— 47 पदोन्नति के पद @ 50%— 47
(1) क्या यह पर किसी की नियुक्ति कर दी गयी है—	शासनादेश संख्या-1768 / ।।।(।) / 11-190 (पी०डब्लू०टी०) / 2001 दिनांक 12.12.11. शासनादेश संख्या-1268 / ।।।(।) / 14-190 (पी०डब्लू०टी०) / 2001 दिनांक 30.06.2014.
(2) यदि हो, तो यह कब से इस पद पर कार्य कर रहा है—	जी हो, वर्ष 2011 में लोक सेवा आयोग उत्तराखण्ड के माध्यम से चयनित कनिष्ठ अभियन्ताओं की नियुक्ति कर दी गयी है।
(3) क्या उनकी स्थानापन्न नियुक्ति के लिए आयोग का अनुमोदन प्राप्त कर लिया गया है, यदि हो तो आयोग का पत्र संख्या तथा दिनांक उद्धृत किया जाए—	वर्ष 2011 से उपरोक्तानुसार
(4) यदि अनुमोदन प्राप्त नहीं किया है, तो परिस्थितियों का विवेच जिसमें आयोग के पूर्व अनुमोदन से नियुक्त नहीं की जा सकी—	—
(।।) क्या उक्त पद आयोग के विभाग क्षेत्र में है—	जी हो।
(।।।) सेवा का नाम, यदि कोई हो, जिससे उक्त पद सम्बन्धित है—	जधीनस्थ अनियन्त्रण सेवा।
(।।।।) क्या उक्त पद संबंधी की उस संख्या में सम्मिलित है, जो सम्बन्धित सेवा निवायली में दिखाई गयी है—	जी हो।
(ग) स्वीकृत पदों की संख्या—	94-47* = 47
	*55% प्रतिशत कोटे के अन्तर्गत पदोन्नति के पद
(घ) स्वीकृत पदों के सापेक्ष वरे गये पदों की कुल सं—	27 -6**=21 (* जून 2015 तक सम्भायित रिक्ति)
(ङ) स्वीकृत पदों के सापेक्ष रिक्त पदों की कुल सं—	20+6**=26 (* जून 2015 तक सम्भायित रिक्ति)
(घ) भरे जाने वाले पदों की सं—	26
(।।) उत्तराखण्ड के अधिवासी अनुज्ञाति के अन्यर्थियों के लिये—	03
(।।।) उत्तराखण्ड के अधिवासी अनुज्ञाति के अन्यर्थियों के लिए—	—
(।।।।) उत्तराखण्ड के अधिवासी अन्य पिछड़े वर्गों के अन्यर्थियों के लिए—	03
(।।।।।) अनारक्षित अन्यर्थियों के लिये—	20
(घ) क्या विभाग द्वारा रोस्टर रखा जा रहा है और उपर्युक्त रिक्तिया प्रत्येक श्रेणी के लिये नियत प्रतिशत व आरक्षण रोस्टर के अनुसार गणना में भिन्नता होने पर नियत प्रतिशत के अनुसार ही रिक्तियों का विवरण दिया गया है? उक्त के अतिरिक्त रोस्टर कमाल का स्पष्ट उत्तेज भी किया जाय।	हाँ, कानूनिक दिनांक उत्तराखण्ड शासन के शासनों-454 / कार्मिक-2-2001 दिनांक 31.08.01 के अनुसार रोस्टर छमांक 1. अनुसूचित जाति का रोस्टर कमाल :- 31,41,46 2. अन्य पिछड़ा वर्ग का रोस्टर कमाल :- 35,42,49
(ज) क्षेत्रिज आरक्षण के सम्बन्ध में अनारक्षित, अनुसूचित जाति, अनुज्ञान लाहौ व अन्य पिछड़े वर्गों के लिये श्रेणीवार रिक्तियों का विवरण नियत प्रतिशत वत उत्तेज करते हुये निम्न प्रकार से दिया जाये—	
(।।) उत्तराखण्ड की अधिवासी महिला अन्यर्थियों के लिए—	06
(।।।) उत्तराखण्ड की अधिवासी स्वातंत्रता संग्राम सेनानी के अधित लग्जरी के लिये—	—
(।।।।) उत्तराखण्ड की अधिवासी शासनिक रूप से दिक्षालाई अन्यर्थियों के लिये—	1

नता या कम दूरी से सम्बन्धित अध्यर्थी के लिये-	
उभ हास तो सम्बन्धित अध्यर्थी के लिये-	हों
बलकिया सम्बन्धी निःशक्ता या प्रमस्तिलीय उपर्युक्त के लिये-	हों
नगर- शारीरिक रूप से विकलाग अधिकारीयों के लिये उच्च श्रेणी से सम्बन्धित अधिकारीय यथा उनके आधिकारिक विभाग हास जारी अधिसूचनाओं वा संलग्न भोक्ता जाए।	-
(4) उत्तराखण्ड के अधिवासी पूर्व संचिक अध्यर्थियों के लिये-	01
(5) उत्तराखण्ड के अधिवासी विशिष्ट खिलाड़ियों के लिये-	-
(6) उत्तराखण्ड राज्य आन्दोलकारी अधिकारी उनके आधिकारिक अध्यर्थी के लिये-	-
2- क्या उत्तराखण्ड के अधिवासी अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, महिला व शारीरिक रूप से विकलाग अध्यर्थियों की स्थितियों में अद्यतनीत शिक्षियों को भी हामिल कर दिया गया है?	हों।
3- क्या पद राजपत्रित है या अराजपत्रित	अराजपत्रित।
4- क्या पद स्थायी अथवा अस्थायी है? यदि अस्थायी है, तो वह अधिक उब तक यह पद कायम रहेगा-	स्थायी।
5- पद का वेतनमान - (वैष्ण वेतनमान व ग्रेड वेतन सहित)	वेतन दैष्ठ-3 रु 9300-34800+ ग्रेड पे रु 4600 एवं अनुमन्य भत्ते।
6- क्या अनुमन्य वेतनमान में बढ़ाया गया प्रारम्भिक वेतनमान दिया जा सकता है? यदि हों, तो किस हद तक-	वेतन दैष्ठ-3 रु 9300-34800+ ग्रेड पे रु 4600 एवं अनुमन्य भत्ते।
7- क्या पद पैशानयुक्त है अथवा असदायी पैशानयुक्त अथवा बिना पैशान का-	शासनादेश संख्या 21/XXVII (7)अ०प०य०/2006 दिनांक 25.10.05 के अनुसार।
8- परियोजना अवधि, यदि कोई हो-	02 वर्ष
9- पद के कार्यालय-	मार्ग/सेतु/म्बन कार्यो का निर्माण/रखरखाव एवं टैक्निकल कार्य।
10- चुने गये अध्यर्थियों को कब तक कार्यभार ग्रहण करना होगा-	नियुक्ति के एक माह के अन्दर।
11- क्या निर्वाह निधि/भविष्य निर्वाह निधि का प्राविधान लागू है?	शासनादेश संख्या 21/XXVII (7)अ०प०य०/2006 दिनांक 25.10.05 के अनुसार।
12- कोई विशेष रियायत अनुमन्य है? जैसे नि:शुल्क आवास, रोशनी, जारी अधि।	जी नहीं।
13- अपेक्षित अहंताएँ-	
(क) अनियाव जिसमें शिक्षा सम्बन्धी अहंताएँ, प्रशिक्षण, अनुभव आदि जैसी जाते सम्भिलित हैं-	दिस्तोना इन सिविल इंजीनियरिंग।
(ख) अधिमान्य अहंताएँ यदि कोई हो-	अन्य जातों के समान होने पर सौधी भर्ती के मानते में ऐसे अध्यर्थी को अदिवास दिया जायेगा जिसने-
	(क) प्रादेशिक सेवा ने न्यूनतम 02 वर्ष की अवधि तक सेवा की हो या
	(ख) राष्ट्रीय कैडिट कोर का 'बी०' प्रमाण-पत्र प्राप्त कर लिया हो। और
	(ग) प्रैक्टिसगार्ड ये रूप में सफलतापूर्वक एक वर्ष का प्रशिक्षण पूर्ण कर लिया हो।
(ग) कोई अन्य अहंताएँ-	कोई नहीं।
(घ) यदि उपर्युक्त किसी हद तक शिक्षिय की जा सकती है, तो वह किस हद तक ऐसा किया जा सकता है-	जी नहीं।
(ङ) क्या समकक्ष अहंताएँ भी स्वीकार की जायेंगी, यदि हों, तो जनकक्ष अहंताएँ बताइए-	
14- पद किस सेवा नियमावली से आचारित है-	शासनादेश संख्या- 3295 / ।।।(1) / 07-39 (अधि०) / 06 दिनांक 22.11.2007
टिप्पणी- सम्बन्धित सेवा नियमावली को हिन्दी व अंग्रेजी भाषा की नूर प्रतीक्षा संलग्न की जाय।	
15- आयु सीमाएँ-	

— आयु सीमाएं—		उत्तराखण्ड शासन कार्यिक अनुचान-2
(१) निम्न आयु सीमा—	21 वर्ष।	संख्या 107/XXX (2)/2014 55(41)2004
(२) अधिकतम आयु सीमा—	42 वर्ष।	दिनांक 25.02.2014, के अनुसार
(ग) क्या अधिकतम आयु सीमा को शिथिल किया जा सकता है? यदि हो, तो विद्यमान शासनादेशों/सेवा नियनादिलियों का उल्लेख करते हुए किस-किस श्रेणी/वर्ग के अध्यर्थियों को किहानी आयु की शिथिलता प्रदान की जा सकती है—	शासनादेश संख्या 1399/XXX (2)/05 दिनांक 21.05.2005 द्वारा अनुसृचित जाति/अनुसृचित जनजाति के अध्यर्थियों हेतु 05 वर्ष का शिथिलीकरण।	
(घ) आयु सीमा की गणना के लिए नियत तिथि का उल्लेख केया जाय—	मर्ती वर्ष के प्रथम जुलाई को आयु न्यूनतम 21 वर्ष व अधिकतम 42 वर्ष।	शासनादेश संख्या 1244/XXX (2)/05 दिनांक 21.05.2005 द्वारा विकलांग अध्यर्थियों हेतु 10 वर्ष का शिथिलीकरण।
16— अभ्यर्थी की राष्ट्रीयता क्या अपेक्षित है—	भारतीय।	
17— अभ्यर्थी की वैवाहिक स्थिति क्या अपेक्षित है—	सेवा में किसी नद पर नियुक्ति के लिए ऐसा पुलष अभ्यर्थी पात्र न होगा, जिसकी एक से अधिक पलियाँ जीवित हों या ऐसी महिला अभ्यर्थी पात्र न होंगी, जिसने ऐसे पुरुष से विवाह किया हो जिसकी पहले से एक पत्नी जीवित हो। परन्तु राजदण्ड किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रबर्तन से छुट दे सकते हैं, यदि उनका यह सनाधान हो जाये कि ऐसा करने के लिए विशेष कारण दियान है।	
18— अभ्यर्थी के चरित्र के सम्बन्ध में क्या अपेक्षित है—	लौटी मर्ती के लिए अभ्यर्थी का चरित्र ऐसा होना चाहिए कि वह सरकारी सेवा में सेवायोजन के लिए सभी प्रकार से उपयुक्त हो। नियुक्ति प्राप्तिकारी इस सम्बन्ध में अपना समाधान कर लेगा। टेप्सी— संघ सचिवार या किसी राज्य सरकार के स्थानिकाधीन या नियंत्रणाधीन किसी स्थानीय प्राधिकारी या किसी निगम या निकाय द्वारा पदच्युत व्यक्ति सेवा में किसी पद पर नियुक्ति के लिए पात्र नहीं होने। नैतिक अधमता के किसी अपराध के लिए दोष सिद्ध व्यक्ति भी पात्र नहीं होते।	
19— अभ्यर्थी की शारीरिक स्वस्थ्यता के सम्बन्ध में क्या अपेक्षित है—	नुख्य विकित्साधिकारी द्वारा प्रदत्त स्वरक्षण प्रमाण पत्र जी नहीं।	
20— क्या पद हेतु कोई शारीरिक मापदण्ड भी लागू है? यदि हो, तो पुलष व महिला दोनों के लिए नियत शारीरिक नापदण्डों का उल्लेख किया जाय—	आयु सीमा के अन्तर्गत योग्यतावारक पात्र है।	
21— क्या सरकारी कर्मचारी पात्र है, यदि हो, तो क्या उनके पास ने किसी शर्त को शिथिल किया जाएगा। उन शर्तों को बताइये, जो उनके पास में शिथिल की जायेगी।	आयु सीमा के अन्तर्गत योग्यतावारक पात्र है।	
22— क्या अधियाचन में दिए गए विवरण पद से सम्बन्धित रेत नियमावली व कार्यिक विभाग द्वारा जारी नियमावली के अनुलय है? यदि नहीं, तो सम्बन्धित मद/प्रश्न के सम्बन्ध में तिथि स्पष्ट की जाए—	हों, शासनादेश संख्या- 3295 / 111(1)/07-39 (अधिक) / 06 दिनांक 22.11.2007	

दिनांक

अधियाचन प्राधिकारी के हस्ताक्षर

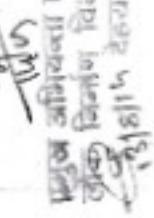
पूरा नाम ()
 पद नाम 
 प्रभाग अधिकारी अधिकारी विभाग, उत्तराखण्ड देश, भारत

विभाग द्वारा रिक्त पदों की गणना
सीधी भर्ती के कनिष्ठ अभियन्ता (प्राचिकिक) के विभिन्न श्रेणीयों के रिक्त पदों में दोतिज आखण के पदों की संख्या

कुल रवैकृत पदों की संख्या -94
सीधी भर्ती के पद-47

फॉर्म सं.	श्रेणी	स्वीकृत पद	भरे पद	अवशेष रिक्त पद		महिला 30%	विकलाग 3%	मुफ्त सेनिक 5%	रवैसंसरो 5%	सीधी भर्ती 2%	योग
1	2	3	4	7	8	9	10	11	12		
1	अनारिक्षता 63 %	29	15-6**=9	14+6=20	6	1	1	-	-	8	
2	अनुसूचित जाति 19%	9	6	3	1	-	-	-	-	1	
3	अनुसूचित जनजाति 0.04%	2	2	-	-	-	-	-	-	-	
4	अन्य शिखड़ा वर्ग 14 %	7	4	3	1	-	-	-	-	1	
	योग	47	21	26	8	1	1	-	-	10	

नोट—** जून 2015 तक की 06 समावित रिक्तियों को अधियाचन में राखिलित किया गया है


मुख्य अधिकारी द्वारा दिलाई गई विभागीय विभागीय अधिकारी, कर्तव्यानुसार
कुल विभागीय विभागीय अधिकारी, कर्तव्यानुसार

अधियाचन प्रपत्र-1

1(क) पद का नाम	कानिष्ठ अभियन्ता (योग्यिक)
(ख) क्या यह पद नवा सृजित किया गया है, यदि हो तो यह पद क्या सृजित किया गया था-	कुल स्वीकृत पद- (60) सीधी मर्ती के पद- (57) पदोन्नति के पद - 5% (3)
यदि यह पद नवा नहीं है तो यह कब और कैसे रिक्त हुआ-	शास्त्रादेश सं० १७६० / ११ (१) / ११-१९० (३०८८०८०) / २००१ दिनांक १२.१२.११, हारा सृजित
(१) क्या पद पर किसी की नियुक्ति कर दी गयी है-	जी है, वर्ष २०१३ में लोक सेवा आयोग उत्तराखण्ड के माध्यम से चयनित कानिष्ठ अभियन्ताओं की नियुक्ति कर दी गयी है।
(२) यदि हों, तो यह कब से इस पद पर कार्य लर रहा है-	दिनांक से
(३) क्या उनकी स्थानादान नियुक्ति के लिए आयोग का अनुमोदन प्राप्त कर लिया गया है, यदि हों तो आयोग का दब संख्या तथा दिनांक उद्घोषित किया जाये-	उपरोक्तानुसार
(४) यदि अनुमोदन प्राप्त नहीं किया है, तो परोस्यतियों का दब जिसमें आयोग के पूर्व अनुमोदन से नियुक्त नहीं की जा सकी-	-
(५) क्या उक्त पद आयोग के विचार क्षेत्र में है-	-
(६) सेवा का नाम, यदि कोई हो, जिससे उक्त पद सन्दर्भित है-	जी है।
(७) क्या उक्त पद संबंधी वी उस संख्या ने सन्मिलित है, जो सम्बन्धित सेवा नियमावली में दिखाई गयी है-	अधीनस्थ अभियन्त्रण सेवा।
(ग) स्वीकृत पदों की संख्या-	जी है।
(घ) स्वीकृत पदों के सामेह भरे गये पदों की कुल सं०-	60-3=57
	47
(ङ) स्वीकृत पदों के सामेह रिका पदों की कुल सं०-	
(च) भरे जाने वाले पदों की सं०-	10
(१) उत्तराखण्ड के अधिवासी अनुज्ञाति के अधिकारियों के लिये-	10
(२) उत्तराखण्ड के अधिवासी अनुज्ञानजाति के अधिकारियों के लिये-	2
(३) उत्तराखण्ड के अधिवासी अन्य पिछड़े वर्गों के अधिकारियों के लिये-	-
(४) अनारक्षित अम्बारियों के लिये-	1
(५) क्या विभाग हारा रोस्टर रखा जा रहा है और उपर्युक्त रिविल्वर प्रत्येक श्रेणी के लिये नियत प्रतिशत व आरक्षण रोस्टर के अनुसार गणना में मिलता होने पर नियत प्रतिशत के अनुसार ही रिविल्वरों का विवरण दिया गया है?	7
उक्त के अतिरिक्त रोस्टर कमांक का स्पष्ट उल्लेख भी किया जाए।	ही, कार्मिक विभाग, उत्तराखण्ड शासन के शास्त्र०-१४५४/कार्मिक-२-२००१ दिनांक ३१.०८.०१ के अनुसार रोस्टर कमांक
	1. अनुज्ञाति का रोस्टर कमांक :- 46.51
	2. अन्य विछड़ा वर्ग का रोस्टर कमांक:- ५४
(ज) श्रीतिज आरक्षण के सम्बन्ध में अनारक्षित, अनुसूचित जाति, अनुज्ञान जाति व अन्य पिछड़े वर्गों के लिये श्रेणीवार रिविल्वरों का विवरण नियत प्रतिशत का उल्लेख करते हुये निम्न प्रकार से दिया जाये-	-
(१) उत्तराखण्ड की अधिवासी महिला अम्बारियों के लिये-	03
(२) उत्तराखण्ड की अधिवासी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के अधिकारियों के लिये-	-
(३) उत्तराखण्ड की अधिवासी सांस्कृतिक रूप से विकल्पान अम्बारियों के लिये-	-
(क) दृष्टिहीनता वा कम दृष्टि से सम्बन्धित अम्बारियों के लिये-	-
(ख) श्रदण्ड हास से सम्बन्धित अम्बारियों के लिये-	-
(ग) चलनकिया सम्बन्धी निश्चलता वा प्रमत्तिकीय अपर्गता के लिये-	-

के लिये—	
(क) दृष्टिहीनता या कम दृष्टि से सम्बन्धित अभ्यर्थी के लिये—	हों
(ख) अवण इस से सम्बन्धित अभ्यर्थी के लिये—	हों
(ग) बलनाकिया सम्बन्धी निवाकता या प्रमितिकीय उपगति के लिये—	हों
टिप्पणी— शारीरिक रूप से दिक्कताग व्यक्तियों के लिये उक्त भेंगी से सम्बन्धित चिकित्सा पद के सम्बन्ध में कार्मिक नियम द्वारा जारी अधिसूचनाओं को संलग्न भी किया जाए।	—
(4) उत्तराखण्ड के अधिवासी पूर्व सेनिक अभ्यर्थी के लिये—	—
(5) उत्तराखण्ड के अधिवासी विशेष खिलाड़ियों के लिये—	—
(6) उत्तराखण्ड सज्ज आन्दोलकारी अथवा उनके अप्रति अभ्यर्थी के लिये—	—
2- क्या उत्तराखण्ड के अधिवासी अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, नहिल इ शारीरिक रूप से विकलाग अभ्यर्थियों की विकलियों में अग्रेनीत रिक्तियों को भी शान्ति ले दिया गया है ?	हो।
3- क्या पद साजपत्रित है या असाजपत्रित	असाजपत्रित।
4- क्या पद स्थायी अथवा अस्थायी है ? यदि अस्थायी है, तो वह अद्यति जब तक वह पद कायदा रहेगा—	स्थायी।
5- पद का वेतनमान — (बिंप्ड वेतनमान व फ्रेड वेतन लहित)	वेतन बैण्ड-3 रु0 9300-34800+ फ्रेड पे रु0 4600 एवं अनुमन्य भत्तो।
6- क्या अनुमन्य वेतनमान में बढ़ाया गया ग्राहकिक वेतनमान दिया जा सकता है? यदि हैं, तो किस हद तक—	वेतन बैण्ड-3 रु0 9300-34800+ फ्रेड वे रु0 4600 एवं अनुमन्य भत्तो।
7- क्या पद पैशान्युक्त है अथवा असाधारी पैशान्युक्त अथवा बिन पैशान का—	शासनादेश संख्या 21/XXVII (7)अप्र०यो/2005 दिनांक 25.10. 05 के अनुसार।
8- परिवेश अद्यति, यदि कोई हो—	02 वर्ष
9- पद के कर्तव्य—	मवनों के विद्युतीकरण के कार्य
10- दुने गये अभ्यर्थीयों को कब तक कार्यभार डहण ले ना होगा—	नियुक्ति के एक नाह के ऊन्दर।
11- क्या निर्वाह निधि/भविष्य निर्वाह निधि का प्राप्तिकान लागू है?	शासनादेश संख्या 21/XXVII (7)अप्र०यो/2005 दिनांक 25.10. 05 के अनुसार।
12- कोई विशेष रिक्यात अनुमन्य है? जैसे नि तुल्क आवास, रोशनी, पानी आदि।	जी नहीं।
13- अपेक्षित अहतार्थ—	डिप्लोमा इन विद्युत इंजीनियरिंग।
(क) अनिवार्य जिसमे शिक्षा सम्बन्धी अहतार्थ, प्रशिक्षण, अनुमन्य आदि जैसी बाते सम्मिलित हैं—	अन्य बातों के तमान होने पर तीव्री भर्ती के मामले में ऐसे अभ्यर्थी को अधिमान दिव जायेगा जिसने—
(ख) अधिनान्य अहतार्थ यदि कोई हो—	(अ) प्रदेशिक लेवा में न्यूनतान 02 वर्ष की अद्यति तक सेवा की हो, या (ख) राष्ट्रीय लैडेट कोर का 'वीए' प्रनाल—पत्र प्राप्त कर लिया हो, और (ग) प्रशिक्षणार्थी के रूप में सफलतापूर्वक एक वर्ष का प्रशिक्षण पूर्ण कर लिया हो।
(ग) कोई अन्य अहतार्थ—	कोई नहीं।
(घ) यदि उपर्युक्त किसी हद तक रिक्षित की जा सकती है, तो वह किस हद तक ऐसा किया जा सकता है—	जी नहीं।
(ङ) क्या समकक्ष अहतार्थ भी स्वीकार की जाएगी, यदि है, तो समकक्ष अहतार्थ बताइए—	
14- पद किस सेवा नियमावली से आचारित है—	शासनादेश संख्या- 3295 / 111(1)/07-39 (अप्र०) / 06 दिनांक 22. 11.2007

विमान द्वारा रिक्त पदों की गणना
सीधी भर्ती के कानूनिक अभियन्ता (यांत्रिक) के विभिन्न श्रेणियों के रिक्त पदों में क्षेत्रीज आकाशण के पदों की संख्या

कुल स्वीकृत पदों की संख्या -60 सीधी भर्ती
सीधी भर्ती के पद- 57

कुल स्वीकृत पदों की संख्या -60 सीधी भर्ती
सीधी भर्ती के पद- 57
पदोन्नति के पद@ 5% - 3

क्रमांक	श्रेणी	स्वीकृत पद	भर्ती पद	अवशेष रिक्त पद	महिला 30%	विकलांग 3%	गृहिणी सैनिक 5%	खरोंसाली 2%	योग
1	2	3	4	7	6	9	10	11	12
1	अनारिका 63 %	36	29	7	2	-	-	-	2
2	अनुसूचित जाति 19%	11	9	2	1	-	-	-	1
3	अनुसूचित जाति 04%	2	2	-	-	-	-	-	-
4	अन्य पिछड़ा वर्ग 14 %	8	7	1	-	-	-	-	-
	योग	57	47	10	3	-	-	-	3

प्रभाव अधिकारी एवं विभागाध्यक्ष
लोक विकास प्रकाश उत्तराखण्ड
प्रदेश दरबारी

अधियाचन प्रपत्र-1

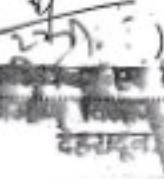
1(क) पद का नाम	कनिष्ठ अभियन्ता (विद्युत) कुल स्वीकृत पद— (44) सीधी मर्ती के पद—(42) पदोन्नति के पद — 5% (02)
(ख) क्या यह पद नया सृजित किया गया है, यदि हो तो यह पद कब सृजित किया गया था— यदि यह पद नया नहीं है तो कब और कैसे रिक्त हुआ— (1) क्या पद पर किसी की नियुक्ति कर दी गयी है—	शासनादेश सं 1768/ 11(1)/ 11-190 (पी0डब्लूडी0)/ 2001 दिनांक 12.12.11.द्वारा सृजित
(2) यदि हो, तो यह कब से इस पद पर कार्य कर रहा है— (3) कब उनकी स्थानापन नियुक्ति के लिए आठोन का अनुमोदन प्राप्त कर लिया गया है, यदि हो तो आठोन का दब्र संख्या तथा दिनांक उद्धृत किया जाये— (4) यदि अनुमोदन प्राप्त नहीं किया है, तो परिस्थितियों विवादी जाये जिसमें आयोग के पूर्व अनुमोदन से नियुक्त नहीं की जा सकी— (i) क्या उक्त पद आयोग के विचार हेत्र में है— (ii) सेवा का नाम, यदि कोई हो, जिससे उक्त पद सम्बन्धित है— (iii) क्या उक्त पद संबंधी की उस संख्या में समेलित है, जो सम्बन्धित सेवा नियमावली में दिखाई नहीं है— (ग) स्वीकृत पदों की संख्या—	जो हो, वष्ट 2004 एवं 2013 में लोक सेवा आयोग उत्तराखण्ड के मध्यम से चयनित जनिष्ठ अभियन्ताओं की नियुक्ति कर दी गयी है। वर्ष 2004 एवं 2013 से उपरोक्तानुसार
(घ) स्वीकृत पदों के सापेक्ष भरे गये पदों की कुल सं— (ङ) स्वीकृत पदों के सापेक्ष रिक्त पदों की कुल सं— (च) भरे जाने वाले पदों की सं— (1) उत्तराखण्ड के अधिकारी अनुजाति के अधिकारीयों के लिये— (2) उत्तराखण्ड के अधिकारी अनुजनजाति के अधिकारीयों के लिये— (3) उत्तराखण्ड के अधिकारी अन्य पिछड़े वर्गों के अधिकारीयों के लिये— (4) अनारक्षित अधिकारीयों के लिये— (उ) क्या विभाग द्वारा सेस्टर रखा जा रहा है और उपर्युक्त रिक्तियों प्रत्येक श्रेणी के लिये नियत प्रतिशत व अरक्षण रोक्टर के अनुसार गणना में शिफ्ट होने पर नियत प्रतिशत के अनुसार ही रिक्तियों का विवरण दिया गया है? उक्त के अतिरिक्त रोक्टर कमांक का स्पष्ट उल्लेख भी किया जाय।	जी हों। अधिकारी अभियन्त्रज्ञ सेवा। जी हों। 44-02*=42 *5% प्रतिशत कोटे के अन्तर्गत पदोन्नति के पद 33 09 09 02 — 01 06 हों, कानिकल पिभाग, उत्तराखण्ड शासन के शासन-1454/ कार्मिक-2-2001 दिनांक 31.08.01 के अनुसार रोक्टर कमांक 1. अनुजाति का रोक्टर कमांक :- 41
(ज) हीलिंज आरक्षण के सम्बन्ध में अनारक्षित अनुसूचित जाति, अनुजन जाति व अन्य पिछड़े वर्गों के लिये श्रेणीवार रिक्तियों का विवरण नियत प्रतिशत का उल्लेख करते हुये निम्न प्रकार से दिया जाये— (1) उत्तराखण्ड की अधिकारी महिला अधिकारीयों के लिये— (2) उत्तराखण्ड की अधिकारी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के अधिकृत अधिकारी के लिये— (3) उत्तराखण्ड की अधिकारी शारीरिक रूप से डिक्टॉन अधिकारी	02 — —

के लिये-	
(क) दूषितहीनता या कम दूषित से सम्बन्धित अध्यर्थी को लिये-	-
(ख) श्रवण हास से सम्बन्धित अध्यर्थी के हिये-	हीं
(ग) चलनकिया सम्बन्धी निश्चकता या प्रमारितकीय अवस्था के लिये-	हों
टिप्पणी:- शारीरिक रूप से विकलाग व्यक्तियों के लिये उल्लंघनों से सम्बन्धित चिन्हित पद के सम्बन्ध में कार्मिक विभाग द्वारा जरी अधिकृतनाओं को संलग्न भी किया जाए।	-
(4) उत्तराखण्ड के अधिकासी मूर्ख सैनिक अध्यर्थियों के लिये-	-
(5) उत्तराखण्ड के अधिकासी विशेष खिलाड़ियों के लिये-	-
(6) उत्तराखण्ड राज्य आन्दोलकारी उथवा उनके अधिकृत अन्यदी के लिये-	-
2- क्या उत्तराखण्ड के अधिकासी अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, महिला व शारीरिक रूप से विकलाग अध्यर्थियों की रिक्तियों में अप्रैनीत विकितयों को भी शामिल कर दिया गया है ?	हों।
3- क्या पद राजपत्रित है या उत्तराखण्ड के लिये-	अत्राजपत्रित।
4- क्या पद स्थायी अथवा अस्थायी है ? यदि अस्थायी है, तो वह अवधि जब तक वह पद कायम रहेगा -	स्थायी।
5- पद का वेतनमान - (वैष्ण वेतनमान व बैठक वेतन सहित)	वेतन वैष्ण-3 रु0 9300-34800+ बैठक पे रु0 4600 एवं अनुमन्य भत्तो।
6- क्या अनुमन्य वेतनमान में बढ़ाया गया प्राक्रमिक वेतनमान दिया जा सकता है? यदि हाँ, तो किस हद तक-	वेतन वैष्ण-3 रु0 9300-34800+ बैठक पे रु0 4600 एवं अनुमन्य भत्तो।
7- क्या पद पैशनद्युत है अथवा अंशदायी पैशनद्युत अथवा विन पैशन का-	शासनादेश संख्या 21/XXVII (7)अ0प०यो०/2005 दिनांक 25.10. 05 के अनुसार।
8- परिवेशीकार अवधि, यदि कोई हो-	02 वर्ष
9- पद के कर्तव्य-	भवनों के पिण्डीकरण के कार्य
10- चुने गये अध्यर्थियों को कब तक कार्यभार ग्रहण करना होगा-	नियुक्ति के एक माह के अन्दर। -
11- क्या निर्वाह निधि/भविष्य निर्वाह निधि का प्रायिकान लागू है?	शासनादेश संख्या 21/XXVII (7)अ0प०यो०/2005 दिनांक 25.10. 05 के अनुसार।
12- कोई विशेष रियायत अनुमन्य है? जैसे नि: शुल्क आदास, रोशनी, पानी आदि।	जो नहीं।
13- अपेक्षित अहंताये-	
(क) अनिवार्य जिसमें शिक्षा सम्बन्धी अहंताये, प्रशिक्षण, अनुवाद आदि जैसी बातें सम्मिलित हैं-	डिलोन इन विद्युत इंजीनियरिंग।
(ख) अधिनाम्य अहंताये यदि कोई हो-	अन्य बहाँ के समान होने पर सीधी भत्तों के मामले में ऐसे अध्यर्थी को उपिलान दिया जायेगा जिसमें-
	(क) प्रादेशिक सेवा ने न्यूनतम 02 वर्ष की अवधि तक सेवा की हो, या
	(ख) राष्ट्रीय ईंडिया कोर का 'वी' प्राप्ति-पत्र प्राप्त कर लिया हो, और
	(ग) प्रशिक्षणार्थी के लिये में सफलतापूर्वक एक वर्ष का प्रशिक्षण पूर्ण कर लिया हो।
(ग) कोई अन्य अहंताये-	कोई नहीं।
(घ) यदि उपर्युक्त किसी हद तक शियिल को जा सकती है, तो वह किस हद तक ऐसा किया जा सकता है-	जी नहीं।
(ङ) क्या समकक्ष अहंताएं भी स्वीकार की जाएँगी, यदि हो, तो समकक्ष अहंताएं बहाइए-	
14- पद किस सेवा नियमावली से आचारित है-	शासनादेश संख्या- 3295 / 11(1) / 07-39 (बोर्ड) / 06 दिनांक 22 11.2007
टिप्पणी:- सम्बन्धित सेवा नियमावली की हिन्दी व अंग्रेजी भाषा की	

पूर्ण इनियों संलग्न की जाय।	
15- आयु सीमाएँ-	उत्तरार्द्ध शासन कार्यिक अनुसार-2
(क) निम्न आयु सीमा-	21 वर्ष। तंख्या 107/XXX(2)/2014 55(41)2004
(ख) अधिकतम आयु सीमा-	42 वर्ष। दिनांक 25.02.2014 के अनुसार
(ग) क्या अधिकतम आयु सीमा को शिथिल किया जा सकता है? यदि हों, तो विद्यमान शासनादेशी/सेवा नियमालियों का उल्लेख करते हुए किस-किस श्रेणी/वर्ग के अभ्यर्थियों को निम्नी आयु की शिथिलता प्रदान की जा सकती है-	शासनादेश संख्या 1399/XXX (2)/05 दिनांक 21.05.2006 द्वारा अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के अभ्यर्थियों हेतु 05 वर्ष का शिथिलीकरण। शासनादेश संख्या 1244/XXX (2)/05 दिनांक 21.05.2005 द्वारा विकलांग अभ्यर्थियों हेतु 10 वर्ष का शिथिलीकरण।
(घ) आयु सीमा की गणना के लिए नियत तिथि का उल्लेख किया जाय-	मर्ती वर्ष की प्रथम जुलाई को आयु व्यूनातम 21 वर्ष व अधिकतम 42 वर्ष।
16- अभ्यर्थी की राष्ट्रीयता क्या अपेक्षित है-	पार्श्वीय।
17- अभ्यर्थी की दैवाहिक स्थिति क्या अपेक्षित है-	सेवा में किसी पद पर नियुक्ति के लिए ऐसा पुरुष अभ्यर्थी पात्र न होगा, जिसकी एक से अधिक परियों जीवित हो या ऐसी महिला अभ्यर्थी पात्र न होगी, जिसने ऐसे पुरुष से विवाह किया हो जिसकी बहने से एक पत्नी जीवित हो। वरन्तु राज्यमाल वित्ती व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छुट दे सकते हैं, यदि उनका यह समाधान हो जाए कि ऐसा करने के लिए विशेष कारण विद्यमान है।
18- अभ्यर्थी के चरित्र के सम्बन्ध में क्या अपेक्षित है-	सीधी भर्ती के लिए अभ्यर्थी का चरित्र ऐसा होना आविष्ट कि वह सरकारी सेवा में सेवायोजन के लिए सभी प्रकार से उपयुक्त हो। नियुक्ति प्राप्तिकारी इस सम्बन्ध में अपना समाधान कर लेगा। टिप्पणी- संघ सरकार या किसी राज्य सरकार के स्वामित्वाधीन या नियंत्रणाधीन किसी स्थानीय प्राधिकारी या किसी निगम या निकाय द्वारा वदाच्छुत घटित सेवा में किसी पद पर नियुक्ति के लिए पात्र नहीं होंगे। नैतिक अद्यता के किसी अपराध के लिए दोष सिद्ध घटित भी पात्र नहीं होंगे।
19- अभ्यर्थी की शारीरिक स्वस्थता ले सम्बन्ध में क्या अपेक्षित है-	मुख्य विकित्साधिकारी द्वारा प्रदत्त स्वस्थता प्रमाण पत्र
20- क्या पद हेतु कोई शारीरिक मापदण्ड भी लगा है? यदि हो तो पुरुष व महिला दोनों के लिए नियत शारीरिक मापदण्डों का उल्लेख किया जाय-	जी नहीं।
21- क्या सरकारी कर्मचारी पात्र हैं, यदि हों, तो क्या सनके पक्ष में किसी शर्त को शिथिल किया जाएगा। उन इर्तों को बताइए, जो उनके पांडों में शिथिल की जायेंगी।	आयु सीमा के अन्तर्गत योग्यताधारक पात्र है।
22- क्या अधियाचन में दिए गए विवरण पद से सम्बन्धित सेवा नियमावली व कार्यिक दिक्षण द्वारा जारी नियमाली के अनुलप हैं? यदि नहीं, तो सम्बन्धित मद/प्रस्तुति के सम्बन्ध में स्थिति त्पत्त की जाय-	हैं, शासनादेश संख्या- 3295 / 111(1) / 07-39 (अधिकारी) / 06 दिनांक 22.11.2007

दिनांक

अधियाचन प्राधिकारी के हस्ताक्षर

पूरा नाम ()
 पद नाम  प्राधिकारी द्वारा दिया गया दस्तावेज़ 

विभाग द्वारा रिक्त पदों की गणना
सीधी भर्ती के कनिष्ठ अभियन्ता (विद्युत) के विभिन्न श्रेणीयों के रिक्त पदों में क्षेत्रिज आवश्यक के पदों की संख्या

कुल स्वीकृत पदों की संख्या - 44 सीधी
सीधी भर्ती के पद - 42

पदोन्नति के पद @ 5% - 2

क्रमांक	श्रेणी	स्वीकृत पद	भरे पद	अवशेष रिक्त पद	ग्रहिता 30%	विकलान 3%	पुङ्गु सीनिक 5%	सारांश 2%	योग
1	2	3	4	7	6	9	10	11	12
1	आनारिक्षत 63 %	26	20	6	2	-	-	-	2
2	अनुभूचित जाति 19%	8	6	2	-	-	-	-	-
3	अनुसूचित जातजाति 04%	2	2	-	-	-	-	-	-
4	जन्म पिछला चार 14 %	6	5	1	-	-	-	-	2
	योग	42	33	9	2	-	-	-	-

प्रभाल अधिकारी पद विभाग
विधायिका विभाग, उत्तराखण्ड
प्रदेश विधायिका विभाग, उत्तराखण्ड

19/06/2019
प्रभाल अधिकारी पद विभाग
विधायिका विभाग, उत्तराखण्ड

क्रमांक	पद का नाम	कर्तव्य अधिकारी (सिविल)
(ख)	यह पद नया सुजित किया गया है, यदि हों तो यह पद कब सुजित किया गया था-	कुल स्वीकृत पद - 888 सीधी भर्ती के पद - 844 पदोन्नति के पद @ 5%-44
(1)	यह पद किसी की नियुक्ति कर दी गयी है-	शासनादेश सं० 1813 / ।।।() / 15-19-190(पी०डल०ड०) / 2001 दिनांक 15.12.15
(2)	यदि हों, तो यह कब से इस पद पर कार्य कर रहा है-	जी हूं, वर्ष 2004, 2011 एवं 2013 में लोक सेवा आयोग उत्तराखण्ड के माध्यम से चयनित कर्तव्य अधिकारी की नियुक्ति कर दी गयी है।
(3)	क्या उनकी स्थानापन्न नियुक्ति के लिए आयोग का अनुमोदन प्राप्त कर लिया गया है, यदि हों तो आयोग का पत्र संख्या तथा दिनांक उद्घाट किया जाये-	वर्ष 2004, 2011 एवं 2013 से उपरोक्तानुसार
(4)	यदि अनुमोदन प्राप्त नहीं किया है, तो परिस्थितियों बतायी जाये जिसमें आयोग के पूर्ण अनुमोदन से नियुक्ति नहीं की जा सकी-	-
(i)	क्या उक्त पद आयोग के विचार क्षेत्र में है-	जी हूं।
(ii)	सेवा का नाम, यदि कोई हो, जिससे उक्त पद सम्बन्धित है-	आयोनस्य अभियन्त्रण सेवा।
(iii)	क्या उक्त पद सर्वन की ऊस संख्या में सम्मिलित है, जो सम्बन्धित सेवा नियमावली में दिलाई गयी है-	जी हूं।
(ग)	स्वीकृत पदों की संख्या-	888-44*-844 *5% प्रतिशत कोटि के अनुगत पदोन्नति के पद
(घ)	स्वीकृत पदों के सापेक्ष भरे गये पदों की कुल सं०-	646-36=610
(ङ)	स्वीकृत पदों के सापेक्ष रिक्त पदों की कुल सं०-	160
(च)	भरे जाने वाले पदों की सं०-	160
(1)	उत्तराखण्ड के अधिवासी अनुजाति के अभ्यर्थियों के लिये-	33
(2)	उत्तराखण्ड के अधिवासी अनुजाति के अभ्यर्थियों के लिये-	07
(3)	उत्तराखण्ड के अधिवासी अन्य पिछड़ वर्गों के अभ्यर्थियों के लिये-	47
(4)	अनारक्षित अभ्यर्थियों के लिये-	73
(घ)	क्या विभाग द्वारा रोस्टर रखा जा रहा है और उपर्युक्त रिक्तिया प्रस्तोक श्रेणी के लिये नियत प्रतिशत व आखण रोस्टर के अनुसार गणना में भिन्नता होने पर नियत प्रतिशत के अनुसार ही रिक्तियों का विवरण दिया गया है?	हों, कानूनिक विभाग, उत्तराखण्ड शासन के धा०स०-1454 / कानून-२-२००१ दिनांक 31.08.01 के अनुसार रोस्टर कमांक 1. 41, 46, 51, 56, 61, 66, 71, 76, 1, 6, 11, 16, 21, 26, 31, 36, 41, 46, 51, 56, 61, 66, 71, 76, 1, 6, 11, 16, 21, 26, 31, 36, 41 2. अनुजाति का रोस्टर-24, 48, 72, 96, 24, 48, 72 3. अन्य पिछड़ वर्ग का रोस्टर कमांक- 98, 7, 14, 19, 28, 35, 42, 49, 54, 63, 70, 77, 84, 91, 98, 7, 14, 19, 28, 35, 42, 49, 54, 63, 70, 77, 84, 91, 98, 7, 14, 19, 28
	उक्त के अतिरिक्त रोस्टर कमांक का स्पष्ट उल्लेख भी किया जाय।	

आरक्षण के सम्बन्ध में अनारक्षित, अनुसृचित जाति, जाति व अन्य पिछड़े वर्गों के लिये श्रेणीवार रिक्तियों रण नियत प्रतिशत का उल्लेख करते हुये निम्न प्रकार जाये—		
(1) उल्लंखण्ड की अधिवासी महिला अभ्यर्थियों के लिये—	48	
(2) उल्लंखण्ड की अधिवासी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के आश्रित अभ्यर्थी के लिये—	63	
(3) उल्लंखण्ड की अधिवासी शारीरिक रूप से विकलाग अभ्यर्थी के लिये—	18	
(क) दृष्टिहीनता या कम दृष्टि से सम्बन्धित अभ्यर्थी के लिये—	—	
(ख) श्रद्धण छाते से सम्बन्धित अभ्यर्थी के लिये—	—	
(ग) घलनाकिया सम्बन्धी निशाकता या प्रमरितकीय अवस्था के लिये—	—	
टिप्पणी— शारीरिक रूप से विकलाग व्यक्तियों के लिये उक्त श्रेणी से सम्बन्धित चिह्नित पद के सम्बन्ध में कार्मिक विभाग द्वारा जारी अधिसूचनाओं को संलग्न भी किया जाए।		
(4) उल्लंखण्ड के अधिवासी पूर्ण सेनिक अभ्यर्थियों के लिये—	6	
(5) उल्लंखण्ड के अधिवासी विशिष्ट खिलाड़ियों के लिये—	—	
(6) उल्लंखण्ड राज्य आनंदोलकारी अथवा उनके आश्रित अभ्यर्थी के लिये—	—	
2— क्या उल्लंखण्ड के अधिवासी अनुसृचित जाति, अनुसृचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, महिला व शारीरिक रूप से विकलाग अभ्यर्थियों की रिक्तियों में अद्यनीत रिक्तियों को भी शामिल कर दिया गया है ?	हो।	
3— क्या पद राजपत्रित है या अराजपत्रित		अराजपत्रित।
4— क्या पद स्थायी अथवा अस्थायी है ? यदि अस्थायी है, तो वह अद्यधि जब तक वह पद कायम रहेगा—		स्थायी।
5— पद का वेतनमान — (पैंड वेतनमान व शेष वेतन भूहित)	वेतन शैक्षण्ड-2 रु. 9300-34800+ ग्रेड पे रु. 4600 एवं अनुमन्य भत्तो।	
6— क्या अनुमन्य वेतनमान में बढ़ाया गया प्रारम्भिक वेतनमान दिया जा सकता है? यदि हो, तो किस हद तक—	वेतन शैक्षण्ड-2 रु. 9300-34800+ ग्रेड पे रु. 4600 एवं अनुमन्य भत्तो।	
7— क्या पद पैशानयुक्त है अथवा अंशदायी पैशानयुक्त अथवा दिना पैशान का—	शासनादेश संख्या 21/XXVII (7)अ.पे.यो.०/२००५ दिनांक 25.10.05 के अनुसार।	
8— परिवेश अवधि, यदि कोई हो—	02 वर्ष	
9— पद के कर्तव्य—	भाग/सेतु/भवन कार्यों का निर्माण / रखरखाव एवं टैक्सीकल कार्य।	
10— द्युने गये अभ्यर्थियों को कब तक कार्यभार ग्रहण करना होगा—	नियुक्ति का एक माह के अन्दर।	
11— इया निर्वाह निधि/भविष्य निर्वाह निधि का प्रारंभिक लागू है?	शासनादेश संख्या 21/XXVII (7)अ.पे.यो.०/२००५ दिनांक 25.10.05 के अनुसार।	
12— कोई विशेष रियायत अनुमन्य है? जैसे नि: जुल्क आवास, रोशनी, पानी आदि।	जी नहीं।	
13— अपेक्षित अहताये—		
(क) अनिवार्य जिसमें शिक्षा सम्बन्धी अहताये, प्रशिक्षण, अनुभव आदि जैसी बातें सम्मिलित हैं—	डिप्लोमा इन सिविल इंजीनियरिंग।	
(ख) अधिनान्य अहताये यदि कोई हो—	अन्य बातों के समान होने पर सीधी भर्ती के मामले में ऐसे अभ्यर्थी को अधिगत दिया जाएगा जिसने—	
	(क) प्रादेशिक सेवा में न्यूनतम 02 वर्ष तक अद्यधि तक सेवा की तो या	
	(ख) साटीय कैडिट कोर का 'बी' प्रमाण—प्रेत्र प्राप्त कर लिया हो और	
	(ग) प्रशिक्षणार्थी को रूप में सफलतापूर्वक एक वर्ष में या प्रशिक्षण पूर्ण कर लिया हो।	
(ग) कोई अन्य अहताये—	काहु नहीं।	
(घ) यदि उपर्युक्त किसी हद तक शिथिल की जा सकती है, तो वह किस हद तक ऐसा विद्या जा सकता है—	जी नहीं।	
(ङ) क्या समकक्ष अहताये भी स्वीकार की जायेंगी, यदि हो, तो समकक्ष अहताये बताइए—	जी नहीं।	

A ✓

(क) क्या सेवा नियमावली से आचारित है-	शासनादेश संख्या- 3295 / 11(1)/07-39 (अधिक) / 06 दिनांक 22.11.2007
- सम्बन्धित सेवा नियमावली की हिन्दी व अंग्रेजी पृष्ठ प्रतियों संलग्न की जाय।	
(क) आयु सीमाएँ-	उत्तराखण्ड शासन कार्यक्रम अनुभाग-2 21 वर्ष। संख्या 107/XXX(2)/2014 55(41)2034
(ख) अधिकतम आयु सीमा-	42 वर्ष। दिनांक 25.02.2014 के मुद्रार-
(ग) क्या अधिकतम आयु सीमा को शिथिल किया जा सकता है? यदि हॉ, तो विद्यमान शासनादेशों/सेवा नियमावलियों का उल्लेख करते हुए किस-किस श्रेणी/वर्ग के अन्यर्थियों को किसी भी आयु की शिथिलता प्रदान की जा सकती है-	शासनादेश संख्या 1399/XXX (2) / 05 दिनांक 21.05.2005 द्वारा अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के अन्यर्थियों हेतु 05 वर्ष का शिथिलीकरण। शासनादेश संख्या 1244/XXX (2) / 05 दिनांक 21.05.2005 द्वारा विकलांग अन्यर्थियों हेतु 10 वर्ष का शिथिलीकरण।
(घ) आयु सीमा की नापना के लिए नियत लिंग का उल्लेख किया जाय-	भर्ती वर्ष के प्रथम जुलाई को आयु न्यूनतम 21 वर्ष व अधिकतम 42 वर्ष।
16- अन्यर्थी की राष्ट्रीयता क्या अपेक्षित है।	भारतीय।
17- अन्यर्थी की यैवाहिक स्थिति क्या अपेक्षित है-	सेवा में किसी पद पर नियुक्ति के लिए ऐसा पुरुष अन्यर्थी पात्र न होगा, जिसकी एक से अधिक परियों जीवित हो या ऐसी महिला अन्यर्थी पात्र न होगी, जिसने ऐसे पुरुष से वियाह किया हो जिसकी वहले से एक पत्नी जीवित हो। परन्तु राज्यपाल किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छुट दे सकते हैं, यदि उनका यह समाधान हो जाये कि ऐसा करने के लिए विशेष कारण विद्यमान है।
18- अन्यर्थी के चरित्र के सम्बन्ध में क्या अपेक्षित है-	सीधी नर्ता के लिए अन्यर्थी का चरित्र ऐसा होना चाहिए कि वह सरकारी सेवा में सेवायोजन के लिए सभी प्रकार से उपयुक्त हो। नियुक्ति प्राधिकारी हरा सम्बन्ध में अपना समाधान कर लेगा। टिप्पणी- संघ राजकार या किसी राज्य सरकार के स्वामित्वव्हीन या नियंत्रणाधीन किसी स्थानीय प्राधिकारी या किसी निगम या निकाय द्वारा पदब्युत व्यक्ति सेवा में किसी पद पर नियुक्ति के लिए पात्र नहीं होगे। नैतिक असम्भाव के किसी अपराध के लिए दोष सिद्ध व्यक्ति भी पात्र नहीं होगे।
19- अन्यर्थी की शारीरिक स्वस्थता के सम्बन्ध में क्या अपेक्षित है-	मुख्य विकिसाधिकारी द्वारा प्रदाता स्पष्टता प्रगति पन्ने
20- क्या पद हेतु कोई शारीरिक नापदण्ड भी लागू है? यदि हॉ, तो पुरुष व महिला दोनों के लिए नियत शारीरिक नापदण्डों का उल्लेख किया जाय	जी नहीं।
21- क्या सरकारी कर्मचारी पात्र है, यदि हॉ, तो क्या उनके पक्ष में किसी शर्त को शिथिल किया जाएगा। उन शर्तों को बताइये, जो उनके पदों में शिथिल की जायेगी।	आयु सीमा के अन्तर्गत योग्यताधारक पात्र हैं।
22- क्या अधियाधन में दिए गए विवरण पद से सम्बन्धित सेवा नियमावली व कार्यक्रम विभाग द्वारा जारी नियमावली के अनुरूप हैं? यदि नहीं, तो सम्बन्धित मद/प्रश्न के सम्बन्ध में स्थिति स्पष्ट की जाव-	हॉ, शासनादेश संख्या- 3295 / 11(1)/07-39 (अधिक) / 06 दिनांक 22.11.2007

अधियाधन प्राधिकारी के हस्ताक्षर

1911

पूरा नाम- (आर०सी० पुरोहित)
पद नाम-मुख्य अभियन्ता (मुख्यालय)



कार्यालय प्रमुख अभियन्ता एवं विभागाध्यक्ष, लोक निर्माण विभाग
"व्यवस्थापन 'घ' वर्ग" उत्तराखण्ड देहरादून



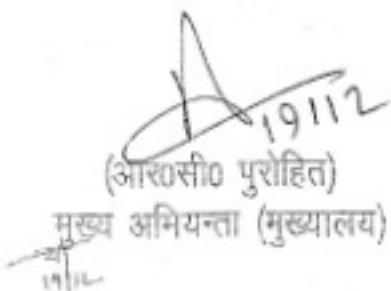
*OFFICE OF THE ENGINEER IN CHIEF, P.W.D.,
DEHRADUN, UTTARAKHAND*

Website-<http://pwd.uk.gov.in>

E-Mail-eicpwduk@nic.in

"प्रमाण- पत्र"

प्रमाणित किया जाता है कि पुनर्गठन शासनादेश संख्या- 1813 / 11(1) / 15-190(PWD) / 2001 दिनांक 15.12.15 से कनिष्ठ अभियन्ता सिपिल के 888 पद स्वीकृत होने के फलस्वरूप पूर्व में इस कार्यालय के पत्र संख्या- 1404 / 28 ब्याघ-सा०/१४ दिनांक 14.08.14 से प्रेषित रिक्त 249 पदों के अधियाचन को संशोधित करते हुए रिक्त 160 पदों का श्रेणीवार ऊर्ध्व/क्षेत्रीज आरक्षण के अन्तर्गत तैयार किया गया उक्त अधियाचन विभाग में कार्यस्त कनिष्ठ अभियन्ता सिपिल के श्रेणीवार पदों के सापेक्ष रिक्त पदों के आधार पर तैयार किया गया है। जिसमें 38 पद श्रेणीवार संविदा पर कार्यस्त कनिष्ठ अभियन्ता संविदा के लिए भी छोड़े गये जो कार्यस्त में सम्मिलित हैं।


 (आरोसी० पुरोहित)
 मुख्य अभियन्ता (मुख्यालय)
 19/12/2018

विभाग हारा रिक्त पदों की गणना

सीधी भर्ती के कर्नियुक्त अभियन्ता (टीसीपीएल) के विभिन्न श्रेणीयों के रिक्त पदों में दौरीज आखण के पदों की संख्या

कुल स्वीकृत पदों की संख्या- 888
सीधी भर्ती के पद- 844
पदोन्नति के @05%-44

क्रम संख्या	श्रेणी	स्वीकृत पद	अरे पद	बापरेष रिक्त पद	रिक्त पदों में से विभिन्नतिकरण किए जाने हेतु छोड़ गये पद	कुल अवशेष रिक्त पद	महिला विकलांग 3 %	मुफ्त सेविक 5 %	स्व०संस०स० योग आक्रित 2 %
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1	अनारिक्त 63 %	532	431	101	28	73	22	8 {अनोन्नति +2 (पदोन्नति भीती)} = 10	4
2	अनुमूलिक जारी 19 %	160	122	38	5	33	10	3{अनोन्नति} + 1(पदोन्नति भीती) = 4	2
3	अनुमूलिक जारीयाति 04 %	34	24	10	3	7	2	1{अनोन्नति}	1
4	अन्य विभाग काँड़ी 34 %	118	69	49	2	47	14	2{अनोन्नति} + 1(पदोन्नति भीती) = 3	3
	योग	844	646	198	33	160	48	18	8
									77

नोट-1. कर्मलय संख्या- 6 देखो पद छोड़ दिये हैं जन पदों पर विभिन्नतिकरण वो कारणातः नहिमान है।
2. पूर्व में स्वीकृत पदों के सापेष दौरीज आखण के अन्तर्गत विकलांग कोटे के घटेत रिक्तियों को अनेनित करते हुए अधियाचन में समीक्षिता किया है।





पत्रांक:- ५३७/२८ व्यघ-सा०/१६
सेवा में,

दिनांक १३ / ०४/२०१६

सचिव,

लोक निर्माण विभाग,

उत्तराखण्ड शासन, देहरादून।

विषय:- लोक सेवा आयोग के अन्तर्गत कनिष्ठ अभियन्ता (प्राविधिक) के सीधी भर्ती के रिक्त पदों के अधियाचन के प्रेषण के सम्बन्ध में।

सन्दर्भ:- अपर सचिव, उत्तराखण्ड शासन, लोक निर्माण विभाग के पत्र संख्या- १७११/ ३३ (१)/१५ -५६(अधि०) / २००८ दिनांक २१.११.२०१५

महोदय,

उपरोक्त विषयक सन्दर्भित पत्र का अवलोकन करने का कष्ट करे, जिसके द्वारा कार्मिक विभाग के पत्र संख्या ४६२/XXX (२)०३(११)/१५ दिनांक १७.११.१५ की छायाप्रति संलग्न कर प्रेषित करते हुए उक्त पत्र में उल्लेखित निर्देशों के कम में समूह 'ख' तथा समूह 'ग' के अन्तर्गत रिक्तियों तथा ०२ वर्ष के अन्दर घटित होने वाली सीधी भर्ती की रिक्तियों को आगजित करते हुए रिक्तियों का अधियाचन तैयार कर चयन संख्या/शासन को उपलब्ध कराये जाने हेतु निर्देशित किया गया है।

इस सम्बन्ध में अवगत कराना है कि इस कार्यालय के पत्र संख्या- १४०४/२८व्यघ-सा०/१४ दिनांक १४.०८.१४ द्वारा पूर्व में कनिष्ठ अभियन्ता (सिविल/प्राविधिक/विद्युत/यांत्रिक) का सीधी भर्ती के रिक्त पदों का अधियाचन शासन को प्रेषित किया गया था, जो कि शासन के पत्र संख्या- १५७७/ ३३(१३-१३१(अधि०) / ०६ दिनांक २१.०८.२०१४ से आयोग को भी प्रेषित किया जा चुका है।

शासनादेश संख्या- २४५/ ३३(१३-१९० (PWD) / २००१, दिनांक २८.०२.२०१५, १३९९/ ३३(११)/१५ - १९० (PWD) २००१, टी०सी० दिनांक २३.०९.२०१५ एवं शासनादेश संख्या- १८१३/ ३३(११)/१५-१९० (PWD) / २००१ दिनांक १५.१२.२०१५ एवं से कनिष्ठ अभियन्ता (प्राविधिक) के १८ अतिरिक्त पद स्वीकृत होने के फलस्वरूप कनिष्ठ अभियन्ता (प्राविधिक) के वर्तमान में कुल ११२ पद स्वीकृत हैं। जिसमें से ५० प्रतिशत पदोन्ति हेतु कोटे के हैं एवं ५० प्रतिशत सीधी भर्ती के हैं। अगामी ०२ वर्षों में सीधी भर्ती के कनिष्ठ अभियन्ता (सिविल/प्राविधिक/विद्युत/ यांत्रिक) पदों में कोई घटित रिक्तियां नहीं हैं।

अतः उक्त सन्दर्भित शासनादेशों द्वारा कनिष्ठ अभियन्ता (प्राविधिक) के अतिरिक्त पद स्वीकृत होने के फलस्वरूप सीधी भर्ती के ०९ पदों का अधियाचन प्रपत्र-१ एवं कनिष्ठ अभियन्ता (सिविल/प्राविधिक/विद्युत/ यांत्रिक) सेवानियमावली २००७ की छायाप्रति संलग्न कर लोक सेवा आयोग को भेजे जाने हेतु प्रेषित है।

संलग्न- १. अधियाचन
2. सेवा नियमावली, २००७ की छायाप्रति

१८/५/१६
(एच०क० उप्रेती)
प्रमुख अभियन्ता

अधियाचन प्रपत्र-1

1	(क) पद का नाम	कानिष्ठ अभियन्ता (प्राविधिक) कुल स्वीकृत पद— 112 सीधी भर्ती के पद— 56 पदोन्नति के पद @ 50%— 56
	(ख) क्या यह पद नया सूजित किया गया है, यदि हों तो यह पद कब सूजित किया गया था— यदि यह पद नया नहीं है तो यह कब और कैसे रिक्त हुआ—	शासनादेश संख्या—245 / 111(1)/13-190 (पी0डब्लू0डी0) / 2001, दिनांक 28.02.2015, 1399 / 111(1)/15-190 (पी0डब्लू0डी0) 2001, टी0सी0 दिनांक 23.09.2015, शासनादेश संख्या— 1288 / 111(1)/14-190 (पी0डब्लू0डी0) 2001 टी0सी0 दिनांक 30.06.2014 एवं शासनादेश संख्या— 1813 / 111 (1)/15-19 -190 (पी0डब्लू0डी0) / 2001 दिनांक 15.12.2015
	(1) क्या पद पर किसी की नियुक्ति कर दी गयी है—	जी हों, वर्ष 2011 में लोक सेवा आयोग उत्तराखण्ड के माध्यम से चयनित कानिष्ठ अभियन्ताओं की नियुक्ति कर दी गयी है।
	(2) यदि हों, तो यह कब से इस पद पर कार्य कर रहा है—	वर्ष 2011 से
	(3) क्या उनकी स्थानापन्न नियुक्ति के लिए आयोग का अनुमोदन प्राप्त कर लिया गया है, यदि हों तो आयोग का पत्र संख्या तथा दिनांक उद्धृत किया जाये—	उपरोक्तानुसार
	(4) यदि अनुमोदन प्राप्त नहीं किया है, तो परिस्थितियों बतायी जाये जिसमें आयोग के पूर्व अनुमोदन से नियुक्ति नहीं की जा सकी—	—
	(5) क्या उक्त पद आयोग के विचार क्षेत्र में है—	जी हों।
	(6) सेवा का नाम, यदि कोई हो, जिससे उक्त पद सम्बन्धित है—	आधीनस्थ अभियन्त्रण सेवा।
	(7) क्या उक्त पद संवर्ग की उस संख्या में सम्मिलित है, जो सम्बन्धित सेवा नियमावली में दिखाई गयी है—	जी हों।
	(ग) स्वीकृत पदों की संख्या—	112-56*=56
	(घ) स्वीकृत पदों के सापेक्ष भरे गये पदों की कुल सं—	*50% प्रतिशत कोटे के अन्तर्गत पदोन्नति के पद 21
	(ङ) स्वीकृत पदों के सापेक्ष रिक्त पदों की कुल सं—	26* + 9=35
	(घ) भरे जाने वाले पदों की सं—	26* पदों का अधियाचन पूर्व में माह 08/14 को आयोग को भेजा गया है।
	(1) उत्तराखण्ड के अधिवासी अनुज्ञाति के अध्यर्थियों के लिये—	9
	(2) उत्तराखण्ड के अधिवासी अनुज्ञाति के अध्यर्थियों के लिये—	2
	(3) उत्तराखण्ड के अधिवासी अन्य पिछड़े वर्गों के अध्यर्थियों के लिये—	—
		3

	(4) अनारक्षित अभ्यर्थियों के लिये—	4
	(उ) क्या विभाग द्वारा रोस्टर रखा जा रहा है और उपर्युक्त रिक्तियों प्रत्येक श्रेणी के लिये नियत प्रतिशत व आरक्षण रोस्टर के अनुसार गणना में निन्नता होने पर नियत प्रतिशत के अनुसार ही रिक्तियों का विवरण दिया गया है? उक्त के अतिरिक्त रोस्टर कमांक का स्पष्ट उल्लेख भी किया जाय।	हों, कार्मिक विभाग, उत्तराखण्ड शासन के शारीरिक विभाग, उत्तराखण्ड शासन के अनुसार गणना में निन्नता होने पर नियत प्रतिशत के अनुसार ही रिक्तियों का विवरण दिया गया है? उक्त के अतिरिक्त रोस्टर कमांक का स्पष्ट उल्लेख भी किया जाय।
		1. सामान्य का रोस्टर कमांक:- 52, 53, 55, 57 2. अनुसूचित जाति का रोस्टर कमांक :- 51,56 3. अन्य पिछड़ा वर्ग का रोस्टर कमांक :- 54, 63, 70
	(ज) क्षेत्रिज आरक्षण के सम्बन्ध में द्वारारक्षित, अनुसूचित जाति, अनुग्रहन जाति व अन्य पिछड़े वर्गों के लिये श्रेणीवार रिक्तियों का विवरण नियत प्रतिशत का उल्लेख करते हुये निम्न प्रकार से दिया जाये—	—
	(1) उत्तराखण्ड की अधिवासी महिला अभ्यर्थियों के लिये—	3
	(2) उत्तराखण्ड की अधिवासी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के आन्तरिक अभ्यर्थी के लिये—	1
	(3) उत्तराखण्ड की अधिवासी शारीरिक रूप से विकलाग अभ्यर्थी के लिये—	0
	(क) दृष्टिहीनता या कम दृष्टि से सम्बन्धित अभ्यर्थी के लिये—	—
	(ख) अवण छास से सम्बन्धित अभ्यर्थी के लिये—	—
	(ग) चलनाकारी सम्बन्धी निःशक्ता या प्रमस्तिकारी अपंगता के लिये—	—
	टिप्पणी:- शारीरिक रूप से विकलाग व्यक्तियों के लिये उक्त श्रेणी से सम्बन्धित विनिहित पद के सम्बन्ध में कार्मिक विभाग द्वारा जारी अधिसूचनाओं को संलग्न भी किया जाए।	—
	(4) उत्तराखण्ड के अधिवासी पूर्व सैनिक अभ्यर्थियों के लिये—	2
	(5) उत्तराखण्ड के अधिवासी विशिष्ट खिलाड़ियों के लिये—	—
	(6) उत्तराखण्ड राज्य आन्दोलकारी अथवा उनके आन्तरिक अभ्यर्थी के लिये—	—
2	क्या उत्तराखण्ड के अधिवासी अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, महिला व शारीरिक रूप से विकलाग अभ्यर्थियों की रिक्तियों में अद्वेनीत रिक्तियों को भी शामिल कर दिया गया है ?	हों।
3	क्या पद राजपत्रित है या अराजपत्रित	अराजपत्रित।
4	क्या पद स्थायी अथवा अस्थायी है ? यदि अस्थायी है, तो वह अदधि जब तक यह पद कायम रहेगा—	स्थायी।

5	पद का वेतनमान – (वैष्ण वेतनमान व ग्रेड वेतन सहित)	वेतन वैष्ण-उ रु 9300-34800+ ग्रेड पे रु 4600 एवं अनुमन्य भत्ते।
6	क्या अनुमन्य वेतनमान में बढ़ाया गया प्रारम्भिक वेतनमान दिया जा सकता है? यदि हाँ, तो किस हद तक-	वेतन वैष्ण-3 रु 9300-34800+ ग्रेड पे रु 4600 एवं अनुमन्य भत्ते।
7	क्या यदि पेशनयुक्त है अथवा अंशदायी पेशनयुक्त अथवा यिना वेशन का-	शासनादेश संख्या 21/XXVII (7)अ०प०यो०/2005 दिनांक 25.10.05 के अनुसार।
8	परिवीक्षा अवधि, यदि कोई हो-	02 वर्ष
9	पद के कार्य-	मार्ग/सेतु/भवन कार्यों का निर्माण/रखरखाव एवं टैक्नीकल कार्य।
10	चुने गये अभ्यर्थियों को कब तक कार्यमार ग्रहण करना होगा-	नियुक्ति के एक माह के अन्दर।
11	क्या निर्वाह निधि/भविष्य निर्वाह निधि का प्राविधान लागू है?	शासनादेश संख्या 21/XXVII (7)अ०प०यो०/2005 दिनांक 25.10.05 के अनुसार।
12	कोई विशेष रियायत अनुमन्य है? जैसे नि: शुल्क आवास, रोशनी, पानी आदि।	जी नहीं।
13	अपेक्षित अर्हताये-	
(क)	अनिवार्य जिसमें शिक्षा सम्बन्धी अर्हताये, प्रशिक्षण, अनुभव आदि जैसी बाते सम्मिलित हैं-	डिप्लोमा इन सिविल इंजीनियरिंग।
(ख)	अधिगमान्य अर्हताये यदि कोई हो-	अन्य बातों के समान होने पर सीधी भर्ती के मामले में ऐसे अभ्यर्थी को अधिमान दिया जायेगा जिसने— (क) प्रादेशिक सेवा में न्यूनतम 02 वर्ष की अवधि तक सेवा की हो या (ख) राष्ट्रीय कैंडिट कोर का 'बी०' प्रमाण—पत्र प्राप्त कर लिया हो, और (ग) प्रशिक्षणार्थी के स्वप में सफलतापूर्वक एक वर्ष का प्रशिक्षण
(ग)	कोई अन्य अर्हताएं-	कोई नहीं।
(घ)	यदि उपर्युक्त किसी हद तक शिविल की जा सकती है, तो वह किस हद तक ऐसा किया जा सकता है-	जी नहीं।
(ङ)	क्या समकक्ष अर्हताएं भी स्वीकार की जायेंगी, यदि हाँ, तो समकक्ष अर्हताएं बताइए-	जी नहीं।
14	पद किस सेवा नियमावली से आचारित है-	शासनादेश संख्या- 3295 / 111(1) / 07-39 (अधिक) / 06 दिनांक 22.11.2007
	टिप्पणी:- सम्बन्धित सेवा नियमावली की हिन्दी व अंग्रेजी भाषा की पूर्ण प्रतियों संलग्न की जाय।	
15	आयु सीमाएं-	उत्तराखण्ड शासन कार्मिक अनुभाग-2
(क)	निम्न आयु सीमा-	21 वर्ष। संख्या 107 / XXX(2) / 2014 55(41)2004
(ख)	अधिकतम आयु सीमा-	42 वर्ष। दिनांक 25.02.2014, के।

	(ग) क्या अधिकतम आयु सीमा को शिथिल किया जा सकता है? यदि हाँ, तो विद्यमान शासनादेशों/सेवा नियमावलियों का उल्लेख करते हुए किस-किस श्रेणी/वर्ग के अभ्यर्थियों को कितनी आयु की शिथिलता प्रदान की जा सकती है-	शासनादेश संख्या 1399/XXX (2)/05 दिनांक 21.05.2005 द्वारा अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के अभ्यर्थियों हेतु 05 वर्ष का शिथिलीकरण। शासनादेश संख्या 1244/XXX (2)/05 दिनांक 21.05.2005 द्वारा विकलांग अभ्यर्थियों हेतु 10 वर्ष का शिथिलीकरण।
	(घ) आयु सीमा की गणना के लिए नियत तिथि का उल्लेख किया जाय-	भर्ती वर्ष के प्रथम जुलाई को आयु न्यूनतम 21 वर्ष व अधिकतम 42 वर्ष।
16	अभ्यर्थी की राष्ट्रीयता क्या अपेक्षित है-	भारतीय।
17	अभ्यर्थी की वैयाकित रिधति वया अपेक्षित है-	सेवा में किसी पद पर नियुक्ति के लिए ऐसा पुरुष अभ्यर्थी पात्र न होगा, जिसकी एक से अधिक पत्नियों जीवित हो या ऐसी नहिला अभ्यर्थी पात्र न होगी, जिसने ऐसे पुरुष से विवाह किया हो जिसकी पहले से एक पत्नी जीवित हो: परन्तु राज्यपाल किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छुट दे सकते हैं, यदि उनका यह समाधान हो जाये कि ऐसा करने के लिए विशेष कारण विद्यमान है।
18	अभ्यर्थी के चरित्र के सम्बन्ध में क्या अपेक्षित है-	सीधी भर्ती के लिए अभ्यर्थी का चरित्र ऐसा होना चाहिए कि वह सत्कारी सेवा में सेवायोजन के लिए सभी प्रकार से उपयुक्त हो। नियुक्ति प्राप्तिकारी इस सम्बन्ध में अपना समाधान कर लेगा। टिप्पणी- संघ सरकार या किसी राज्य सरकार के स्वामित्वाधीन या नियंत्रणाधीन किसी स्थानीय प्राधिकारी या किसी निगम या निकाय द्वारा पदच्युत व्यक्ति सेवा में किसी पद पर नियुक्ति के लिए पात्र नहीं होंगे। नैतिक अधमता के किसी अपराध के लिए दोष सिद्ध व्यक्ति भी पात्र नहीं होंगे।
19	अभ्यर्थी की शारीरिक स्वस्थता के सम्बन्ध में क्या अपेक्षित है-	मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा प्रदत्त स्वस्थता प्रमाण पत्र
20	क्या पद हेतु कोई शारीरिक मापदण्ड भी लागू है? यदि हाँ तो पुरुष व महिला दोनों के लिए नियत शारीरिक मापदण्डों का उल्लेख किया जाय	जी नहीं।
21	क्या सरकारी कर्मचारी पात्र है, यदि हाँ, तो क्या उनके पक्ष में किसी शर्त को शिथिल किया जाएगा। उन शर्तों को बताइये, जो उनके पक्ष में शिथिल की जायेगी।	आयु सीमा के अन्तर्गत योग्यताधारक पात्र है।

22	<p>क्या अधियाचन में दिए गए विवरण पद से सम्बन्धित सेवा नियमावली व कार्मिक विभाग द्वारा जारी नियमावली के अनुरूप है? यदि नहीं, तो सम्बन्धित मद/प्रश्न के सम्बन्ध में विधति स्पष्ट की जाय-</p>	<p>हॉ, शासनादेश संख्या— 3295 / ८१(१) / ०७-३९ (अधिक) / ०६ दिनांक 22.11.2007</p>
----	--	--

अधियाचन प्राधिकारी के हस्ताक्षर

पूरा नाम— (एच०क० उप्रेती)
पद नाम—प्रमुख अभियन्ता

विभाग द्वारा रिका पदों की गणना।

सीधी भर्ती के करिए अगियन्ता (प्रविधिक) के विभिन्न श्रेणीयों के रिका पदों में हैतिज आखण के पदों की संख्या

कुल सीधी पदों की संख्या— 112
सीधी भर्ती के पद—56
पदोन्नति के @50%—56

क्रम संख्या	श्रेणी	सीधीकृत पद	भरे पद	जनवश रिक्त पद	महिला	विकलांग	भूषा सीधीकृत	स्थानांतरी आश्रित 2 %	योग
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1	झारिक्कत 63 %	35	11	04	01	-	01	-	02
2	अनुसूचित जाति 19 %	11	06	02	01	-	01	-	02
3	अनुसूचित जनजाति 04 %	02	02	-	-	-	-	-	-
4	अन्य प्रिचड़ा वर्ग 14 %	08	02	03	01	-	-	01	02
	योग	56	21	09	03	-	02	01	06

(एचडीओ उपर्युक्त)
मुख्य अधिकारी

कार्यालय प्रमुख अभियन्ता एवं विभागाध्यक्ष, लोक निर्माण विभाग
"व्यवस्थापन 'घ' वर्ग" उत्तराखण्ड देहरादून

OFFICE OF THE ENGINEER IN CHIEF, P.W.D., DEHRADUN, UTTARAKHAND
Website-<http://pwd.uk.gov.in> **E-Mail-eicpwduk@nic.in**

पत्रांक:- ६३४ /२८ व्यघ-सा०/१६
सेवा में,

दिनांक ०६ /०५/२०१६

उप सचिव
लोक निर्माण विभाग,
उत्तराखण्ड शासन, देहरादून।

विषय:- लोक निर्माण विभाग के अन्तर्गत कनिष्ठ अभियन्ता (सिविल) के प्रेषित संशोधित अधियाचन के सम्बन्ध में।
महोदय,

उपरोक्त विषयक कार्मिक विभाग के पत्र संख्या- 112/XXX (2) 2016 दिनांक 04.05.2016 द्वारा सचिव कार्मिक की अध्यक्षता में उनके कार्यालय कक्ष में दिनांक 04.05.16 को हुई बैठक के क्रम में शासन द्वारा इस कार्यालय के पत्र संख्या- ५५६ /२८ व्यघ-१६ दिनांक 19.04.16 से कनिष्ठ अभियन्ता सिविल के संशोधित अधियाचन में प्रेषित की गई सूचना को पुनः संशोधित कर उपलब्ध कराये जाने हेतु निर्देशित किया गया है।

उक्त कम में अवगत कराना है कि इस कार्यालय के पत्र संख्या- 1404 /२८ व्यघ-१४ दिनांक 14.08.14 से कनिष्ठ अभियन्ता (सिविल) के सीधी भर्ती का 249 पदों का अधियाचन प्रेषित किया गया, जिन्हें भरे जाने हेतु लोक सेवा आयोग द्वारा विज्ञापि प्रकाशित की गई, किन्तु वर्ष 2015 में विनागीय पदों का पुर्णगठन होने के फलस्वरूप कनिष्ठ अभियन्ता सिविल के पूर्व में स्वीकृत 941 पदों में कटौती करते हुए 888 पद स्वीकृत किये गये। पदों के कम होने के फलस्वरूप इस कार्यालय के पत्र संख्या- 2333/२८ व्यघ-सा०/१५ दिनांक 19.12.15 द्वारा 160 पदों का संशोधित अधियाचन प्रेषित किया गया। पूर्व में दिनांक 14.08.14 से प्रेषित अधियाचन में विकलांग कोटे की स्थिति स्पष्ट न होने के कारण क्षेत्रीज आरक्षण के अन्तर्गत विकलांग श्रेणी में उनकी उपश्रेणी का अधियाचन त्रुटिवश नहीं भेजा गया, किन्तु संशोधित अधियाचन में क्षेत्रीज आरक्षण के अन्तर्गत विकलांग श्रेणी में उपश्रेणी को भी सम्मिलित किया गया।

आयोग के पत्र दिनांक 19.03.16 से स्पष्ट किया है कि आयोग द्वारा प्रकाशित विज्ञापनों में सम्मिलित श्रेणी/ उपश्रेणी में ही पदों को घटाया/ बढ़ाया जा सकता है। तथा जिन श्रेणियों / उप श्रेणियों के पद विज्ञापित नहीं हुए हैं। उन श्रेणियों के पदों में किसी भी प्रकार का परिवर्तन नहीं किया जा सकता है। चूंकि संशोधित अधियाचन में विकलांग के पदों की श्रेणी/उपश्रेणी प्रेषित की गई है तथा पूर्व में दिनांक 14.08.14 से प्रेषित अधियाचन में उपरोक्तानुसार स्थिति नहीं भेजी गई थी।

अतः 160 पदों का संशोधित अधियाचन में क्षेत्रीज आरक्षण के अन्तर्गत विकलांग कोटे के सम्मिलित पदों को विज्ञापि प्रकाशित न होने के कारण अनुसूचित जाति श्रवण हास उपश्रेणी PD 03 पद, अनुसूचित जनजाति श्रवण हास उपश्रेणी PD 01 पद, अन्य पिछड़ा वर्ग चलन किया उपश्रेणी OA 01 के पदों को छोड़ते हुए शेष पदों पर चयन कर लिया जाय।

उक्त रोके गये पदों को आगामी अधियाचन में सम्मिलित कर लिया जायेगा। विकलांग श्रेणी में उपश्रेणी ओ०ए०/ओ०ए०ए० के पदों को चिन्हित कर तारणी संलग्न है।

अतः शासन से अनुरोध है कि तदनुसार आयोग को अग्रेतर कार्यवाही करने हेतु सूचित करने का काष्ट करें।

संलग्न:- यथोक्त।

(आर०सी० पुरीहित)
 मुख्य अभियन्ता स्तर- । (मु०)

विभाग हासा रिक्त पदों की गणना

कर्निल अभियन्ता (सिपिल) के विभिन्न श्रेणियों के रिक्त पदों में कैतिज आरक्षण / विकलांग जन के श्रेणी सहित पदों की संख्या

कुल स्वीकृत पदों की संख्या— 888
सीधी जर्ती के पद—844
पदोन्ति के @05%—44

क्रम संख्या	श्रेणी	स्वीकृत पद	मरे पद	अपरेंच रिक्त पद	रिक्त पदों में से विनियमितकरण किये जाने हेतु छोड़ दये पद	विकलांग 3 % (श्रेणी सहित)	विकलांग 3 % (श्रेणी सहित)	विकलांग 30 %	विकलांग 30 %	विकलांग 30 %	विकलांग 30 %			
								विकलांग 30 %	विकलांग 30 %	विकलांग 30 %	विकलांग 30 %			
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13		
1	आनाधित 63 %	532	431	101	28	73	22	8 (विकलांग 3 % (श्रेणी सहित)) + 2 (विकलांग 3 % (श्रेणी सहित)) = 10 (श्रेणी (PD) अवण छास— 7 पद) (श्रेणी (OL)=1 पद) (श्रेणी (OA)=2 पद)	4	1	1	37		
2	अनुसूचित जाति 19 %	160	122	38	5	33	10	3(विकलांग 3 % (श्रेणी सहित)) + 1(विकलांग 3 % (श्रेणी (PD) अवण छास— 3 पद) (श्रेणी (OL)=1 पद) (श्रेणी (OA)=1 पद))	2	1	1	17	विकलांग श्रेणी जन में उपर्योगी PD के 03 पद की विकलांग प्रकारित न होने के कारण वर्तमान में घटना में समिलित न किया जाय। इन पदों को आगामी अधिग्रहण में समिलित कर लिया जायेगा।	
3	अनुसूचित जनजाति 04 %	34	24	10	3	7	2	1 (विकलांग 3 % (श्रेणी (PD) अवण छास—1 पद))	-	-	3	विकलांग श्रेणी जन में उपर्योगी PD के 01 पद की विकलांग प्रकारित न होने के कारण वर्तमान में घटना में समिलित न किया जाय। इन पदों को आगामी अधिग्रहण में समिलित कर लिया जायेगा।		
4	अन्य विवरण वर्ग 14 %	118	69	49	2	47	14	2(विकलांग 3 % (श्रेणी सहित)) + 1(विकलांग 3 % (श्रेणी (PD) अवण छास—2 पद) (श्रेणी (OL)=1 पद) (श्रेणी (OA)=1 पद))	2	1	1	20	विकलांग श्रेणी जन में उपर्योगी OA के 01 पद की विकलांग प्रकारित न होने के कारण वर्तमान में घटना में समिलित न किया जाय। इन पदों को आगामी अधिग्रहण में समिलित कर लिया जायेगा।	
	योग	844	646	198	38	160	48	18	8	3	77			


 जायजगत सुरोहित
 मुख्य अधियनका स्टर्टर— । (मु.)
 2024/16